Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 198 | सोमवार, 27 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

धर्मेंद्र प्रधान के एग्जिट के बाद प्रह्लाद जोशी की एंट्री

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तौर पर संभाला पदभार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में छात्रों की मांग पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के ठीक एक दिन बाद रविवार को प्रह्लाद जोशी ने नए केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। धारवाड़ से पांच बार के सांसद प्रह्लाद जोशी इससे पहले कई अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में, प्रह्लाद जोशी ने कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक और मंत्री पदों का कार्यभार संभाला है। 2019 से 2024 के बीच उन्होंने संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री के रूप में कार्य किया। 2024 के

लोकसभा चुनावों के बाद, उन्हें उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालयों का प्रभार सौंपा गया। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा के केंद्रीय मंत्री के रूप में, प्रह्लाद जोशी ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पीएम-कुसुम और भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों सहित कई प्रमुख सरकारी पहलों की देखरेख की है।

शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा

गौरतलब है कि शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दिया, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा मंजूर किया गया। इसके बाद प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया।

शिक्षा मंत्री के सामने कई चुनौतियां

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इसके साथ ही वे अपने मौजूदा मंत्रालयों का काम भी संभालते रहेंगे। शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद प्रह्लाद जोशी के सामने कई बड़ी चुनौतियां होंगी, जिसमें शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना और छात्रों का भरोसा मजबूत करना प्रमुख हैं।

कारगिल के वीर सैनिकों का शौर्य सदैव राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बना रहेगा: मोदी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि उनका शौर्य सदैव राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बना रहेगा। श्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अपने संदेश में कहा, 'कारगिल विजय दिवस पर, हमारा राष्ट्र भारत की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति उनके असाधारण साहस और प्रतिबद्धता के लिए वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है।

अत्यन्त विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए प्रदर्शित उनका शौर्य सदैव राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बना

रहेगा। उनकी अटूट देशभक्ति और कर्तव्य के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों को निरन्तर प्रेरित करता रहेगा।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा,'कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मातृभूमि की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सभी वीर सैनिकों को शत-शत नमन। वर्ष 1999 में कारगिल की दुर्गम चोटियों पर असाधारण पराक्रम का परिचय देने वाले सभी वीर सैनिकों के प्रति देशवासी सदैव कृतज्ञ एवं ऋणी रहेंगे।' उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का अदम्य साहस, त्याग और अटूट संकल्प आने वाली पीढ़ियों को देशप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और मातृभूमि के लिए सर्वस्व समर्पित करने की प्रेरणा देता रहेगा। उल्लेखनीय है कि आज से 27 वर्ष पहले भारतीय सेना के रणबांकुरों ने करीब तीन महीने तक बेहद विषम परिस्थितियों में चले संघर्ष के बाद अपने साहस और वीरता से कारगिल की चोटियों पर कब्जा जमाए बैठे पाकिस्तान के जवानों और और घुसपैठियों को खदेड़ दिया था।

आगरा में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ: उखड़ी सड़कें ठीक नहीं होने पर अधिकारियों पर दर्ज होगी प्राथमिकी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

आगरा। 25 जुलाई उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आगरा में अधिकारियों को चेताया कि उखड़ी सड़कें ठीक नहीं होने पर प्राथमिकी दर्ज होगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार आदित्यनाथ ने आगरा के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन कमिश्नरी सभागार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में विकास परियोजनाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं और कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए योगी ने अधिकारियों को चेताया कि जनसुविधाओं और विकास कार्यों में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत पेयजल पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत में लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि यदि सड़क तोड़ी गई है, तो ठेकेदार को सड़क का निर्माण करना होगा। उन्होंने कार्य संतोषजनक नहीं मिलने पर ठेकेदारों

को काली सूची में डालने और संबंधित अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संवेदनशील होने का निर्देश देते हुए कहा कि फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले रेहड़ी-पटरी दुकानदारों को उजाड़ा न जाए, बल्कि उन्हें उचित 'वेंडिंग जोन' में जगह दी जाए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने आयुष्मान कार्ड और सूचीबद्ध अस्पतालों के भुगतानों का सत्यापन कर जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा विभाग को लेकर उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजे गए धन का उपयोग सुनिश्चित कराने के लिए अभिभावकों के साथ बैठकें की जाएं।

पाकिस्तान से अब केवल पीओके पर होगी बात, कारगिल विजय दिवस पर बोले राजनाथ सिंह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लद्दाख। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को लद्दाख के द्रास में आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर केंद्र सरकार का रुख एक बार फिर स्पष्ट किया। शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की ओर से पाकिस्तान के साथ यदि कोई बातचीत होगी तो वह केवल

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मुद्दे पर ही होगी। उन्होंने कहा कि यह भारत का अभिन्न हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है।

बता दें कि हर वर्ष 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1999 में भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध में पाकिस्तान समर्थित घुसपैठियों को खदेड़ते हुए ऐतिहासिक विजय हासिल की थी। इस अवसर पर देशभर में शहीद सैनिकों के बलिदान को याद किया जाता है और उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है।

द्रास में अपने संबोधन के दौरान राजनाथ सिंह ने भारत और पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा कि आज भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक से जुड़े बड़े डेटा केंद्र स्थापित कर रहा है, जबकि पाकिस्तान कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाले केंद्र तैयार करने में लगा हुआ है। उनके अनुसार यही दोनों देशों की सोच और विकास की दिशा का सबसे बड़ा अंतर है।

रक्षा मंत्री ने हाल में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने दुनिया को साफ संदेश दिया है कि जो लोग आतंकवाद का समर्थन करेंगे या उसमें शामिल होंगे, उन्हें उसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा और संप्रभुता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। गौरतलब है कि राजनाथ सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता की भी सराहना की।

उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि पहले भारतीय सेना के पास शक्ति या क्षमता की कमी थी। सेना पहले भी उतनी ही सक्षम थी, लेकिन उस समय राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी महसूस की जाती थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कोई कमी नहीं है और भविष्य में भी नहीं रहेगी। सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सेना को आवश्यक निर्णय लेने की पूरी स्वतंत्रता देती है। उन्होंने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक भारतीय जवान सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं, तब तक कोई भी देश भारत की ओर बुरी नजर डालने का साहस नहीं कर सकता। उनके अनुसार अब वह दौर बीत चुका है जब नई दिल्ली में बैठी सरकारें सशस्त्र बलों को प्राथमिकता नहीं देती थीं। आज सरकार सुरक्षा से जुड़े मामलों में सेना के साथ मजबूती से खड़ी है।

अपने संबोधन के अंत में रक्षा मंत्री ने कारगिल युद्ध के वीर अधिकारी कैप्टन विक्रम बत्रा को याद किया। उन्होंने उनके प्रसिद्ध नारे 'ये दिल मांगे मोर' का उल्लेख करते हुए कहा कि यही भारतीय सैनिकों का जज्बा और स्वभाव है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया और भारत के पड़ोसी देश को भी भारतीय सैनिकों के साहस, संकल्प और देशभक्ति को समझना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय सेना हर चुनौती का मजबूती से सामना करने में हमेशा सक्षम रही है और आगे भी देश की सुरक्षा के लिए पूरी निष्ठा से डटी रहेगी।

'नहीं लड़ूंगा 2028 का कर्नाटक विधानसभा चुनाव': पूर्व सीएम सिद्धारमैया का बड़ा एलान, क्यों लिया ये फैसला?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कर्नाटक। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने रविवार को बड़ा एलान किया। सिद्धारमैया ने ने एक्स पर ट्वीट करते हुए कहा कि वह 2028 का कर्नाटक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने इसके लिए अपनी उम्र और स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि मैं 79 वर्ष का हूं। हमारी सरकार का डेढ़ साल का कार्यकाल बाकी है। तब तक मैं 81-82 साल का हो जाऊंगा। उन्होंने कहा कि मेरी सेहत अब वैसी नहीं रही, जैसी पहले हुआ करती थी। अब पहले जैसा जोश और उत्साह के साथ काम करना मुमकिन नहीं है।

सिद्धारमैया ने चुनाव न लड़ने के कारणों में राजनीति में बढ़ते भ्रष्टाचार को अहम वजह बताया। मांड्या जिले में एक निजी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि वह सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहेंगे, लेकिन अब भविष्य में कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि राजनीति में सक्रिय रहते हुए मैं

जनता के सुख-दुख और उनकी परेशानियों की आवाज उठाता रहूंगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि उनके वरुणा विधानसभा क्षेत्र के लोग उनसे फिर चुनाव लड़ने का आग्रह कर रहे थे, लेकिन उन्होंने दोबारा चुनाव नहीं लड़ने का मन बना लिया है। अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने वर्ष 1978 में तालुक बोर्ड सदस्य के रूप में राजनीति में कदम रखा था। वर्ष 2028 तक उनके सार्वजनिक जीवन के 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'मैंने जीत और हार दोनों देखी हैं, लेकिन मुझे संतोष है कि मैंने कभी अपने सिद्धांतों के खिलाफ काम नहीं किया और न ही अपनी अंतरात्मा से समझौता किया।'

'व्हाट्सएप पर बूमर्स को बैन करो', बेटे ईशान की मांग पर शशि थरूर ने दिया सॉलिड जवाब

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। अपने तीखे तंज और हाजिरजवाबी के लिए पहचाने जाने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर अपने अनोखे अंदाज से लोगों का दिल जीत लिया है। इस बार उनका यह मजेदार जवाब किसी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के लिए नहीं, बल्कि उनके अपने बेटे ईशान थरूर के लिए था।

यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब जोहो के सह-संस्थापक और पूर्व सीईओ श्रीधर वेंबू ने भारत में छोटे बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया।

इस पर सहमति जताते हुए ईशान थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं कि छोटे बच्चों को सोशल मीडिया पर बिल्कुल नहीं होना चाहिए। लेकिन भारत को कुछ भी और करने से पहले व्हाट्सएप पर बूमर्स को बैन करने की जरूरत है।

शशि थरूर का यह जवाब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गया और लोग उनके इस सेंस ऑफ 'मर की तारीफ करने लगे।

शशि थरूर का चुटीला पलटवार

ईशान के इस पोस्ट पर तुरंत चुटकी लेते हुए शशि थरूर ने अपने बेटे को जवाब दिया। उन्होंने लिखा कि बेटे, अगर हम भारत में बच्चों के जन्म के पैटर्न को देखें, तो पश्चिम के विपरीत, भारतीयों की हर पीढ़ी जिसमें तुम्हारी पीढ़ी भी बूमर की श्रेणी में ही आती है!

आखिर क्या है बूमर का मतलब?

आधिकारिक तौर पर बेबी बूमर शब्द का इस्तेमाल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1946 से 1964 के बीच जन्मे लोगों के लिए किया जाता है।

हालांकि, भारत और इंटरनेट की दुनिया में बूमर शब्द का इस्तेमाल स्लैंग के रूप में उन बुजुर्गों या वरिष्ठ लोगों के लिए किया जाता है, जिनकी सोच थोड़ी पारंपरिक होती है या जो सोशल मीडिया पर बिन मांगी सलाह और ज्ञान बांटते हैं।

यह बहस तब शुरू हुई जब श्रीधर वेंबू ने फ्रांस की संसद द्वारा पारित एक ऐतिहासिक कानून का जिक्र किया। फ्रांस यूरोपीय संघ (ईयू) का पहला ऐसा देश बन गया है जिसने 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह से बैन लगा दिया है। वहां स्कूलों के परिसरों के भीतर भी मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है।

फ्रांस के इस कदम की तारीफ करते हुए श्रीधर वेंबू ने लिखा था कि भारत को भी छोटे बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन कर देना चाहिए। मेरा मानना है कि बच्चों को कागजी किताबें पढ़नी चाहिए, सूरज की रोशनी में मिट्टी में खेलना चाहिए और मोबाइल स्क्रीन से दूर रहना चाहिए।

वेंबू के इस सुझाव पर सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। जहां कई लोगों ने बच्चों को स्क्रीन की लत से बचाने के लिए उनके इस विचार का पुरजोर समर्थन किया, वहीं कुछ अन्य यूजर्स का मानना था कि सरकार को नागरिकों और उनके बच्चों के निजी जीवन में इस हद तक दखल देने की जरूरत नहीं है।

छात्रों पर पुलिस एक्शन पर बिफरे राहुल गांधी, अमित शाह को पत्र लिखकर पूछा- आदेश किसने दिया?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को गृह मंत्री अमित शाह को एक खत लिखा है। इस पत्र में उन्होंने सवाल उठाया कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हमला करने का आदेश किसने दिया था। राहुल गांधी ने कहा कि वे 20 जुलाई को दिल्ली में शांति से अपनी बात रख रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय कराने के लिए यह लेटर लिख रहे हैं। समयऔर कैलेंडर राहुल गांधी ने अपने खत में कहा कि छात्र सिर्फ एक साफ-सुथरी और सही शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे। लेकिन उनकी बात सुनने की जगह सुरक्षाबलों ने उन पर आंसू गैस और पेलेट गन जैसे खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल किया। इस कार्रवाई में सैकड़ों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने छात्राओं के साथ भी बदसलूकी और मारपीट की। उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया पर आई तस्वीरें और रिपोर्ट इस बात का सबूत हैं कि लोग कितने गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें एक पत्रकार भी शामिल है। राहुल गांधी ने बताया कि वे 19 साल के छात्र साहिल लोचब से मिले, जो पेलेट गन का छर्रा लगने की वजह से बेहद दर्द में है और उसकी एक आंख की रोशनी जाने का खतरा बना हुआ है। पत्र में राहुल गांधी ने सीधे अमित शाह से सवाल पूछते हुए कहा, 'दिल्ली पुलिस और सुरक्षाबल सीधे आपके अंडर आते हैं, तो क्या आपने पेलेट गन और इस तरह के बल प्रयोग की इजाजत दी थी? अगर आपने आदेश नहीं दिया, तो फिर छात्रों पर इस तरह की कार्रवाई की परमिशन किसने दी? सादे कपड़ों में लाठियां चलाते दिख रहे लोग पुलिस वाले हैं या कोई और?

'डिलीट नहीं करूंगी', धर्मेंद्र प्रधान पर बीजेपी सांसद की बेटी का पोस्ट वायरल

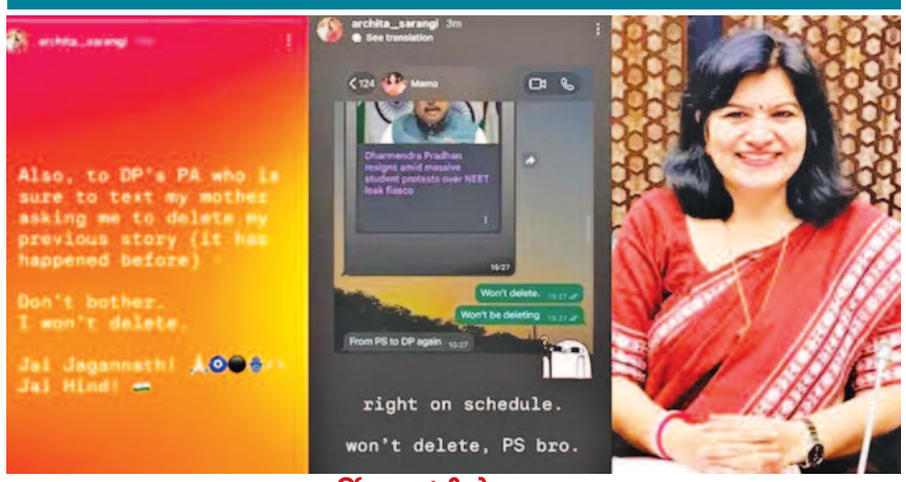

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। BJP सांसद अपराजिता सारंगी की बेटी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा, 'मैं पोस्ट डिलीट नहीं करूंगी।' यह पोस्ट उन्होंने 'DP के PA' (धर्मेंद्र प्रधान के पर्सनल असिस्टेंट) को संबोधित करते हुए लिखा था। जिस पोस्ट की वह बात कर रही थीं, वह शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से जुड़ी एक खबर की हेडलाइन थी।

इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर अटकलें लगने लगीं कि उन पर पोस्ट हटाने के लिए दबाव डाला जा रहा था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के बाद प्रधान ने शनिवार दोपहर इस्तीफा दे दिया।

अर्चिता सारंगी ने इंस्टाग्राम पर शेयर की थी खबर

बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी की बेटी अर्चिता सारंगी ने इंस्टाग्राम पर यह खबर शेयर की थी। बाद में, उन्होंने उसी प्लेटफॉर्म पर दावा किया कि उनसे पोस्ट हटाने के लिए कहा जा रहा था।

मैं डिलीट नहीं करूंगी- अर्चिता सारंगी

उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'और हां, DP के PA से भी कहना चाहूंगी जो पक्का मेरी मां को मैसेज करके मेरी पिछली स्टोरी डिलीट करने के लिए कहेंगे, ऐसा पहले भी हो चुका है। तो परेशान न हों, मैं डिलीट नहीं करूंगी। जय जगन्नाथ! जय हिंदी!'

अपराजिता सारंगी ने धर्मेंद्र प्रधान का किया समर्थन

दूसरी ओर, बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी ने धर्मेंद्र प्रधान के प्रति अपना पूरा समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि नेता ने नीट पेपर लीक की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए और साहत दिखाते हुए इस्तीफा दिया है। कुछ समय बाद, खबर आई कि अर्चिता का इंस्टाग्राम अकाउंट डीएक्टिवेट कर दिया गया। राजनीति में आने से पहले अपराधिता सारंगी IAS अधिकारी थीं। उन्होंने 2024 के आम चुनावों में भुवनेश्वर से जीत हासिल की और बीजेडी प्रतिद्वंद्वी को 35,000 से ज्यादा वोटों से हराया।

संपादक की कलम से

नीट से शुरू, राजनीति पर खत्म!

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यहाँ जनता को सरकार से सवाल पूछने का अधिकार है। यही अधिकार लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखता है। जब किसी सरकारी व्यवस्था में कमी दिखाई देती है, जब किसी परीक्षा में गड़बड़ी होती है, जब युवाओं के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग जाता है, तब विरोध केवल स्वाभाविक ही नहीं बल्कि आवश्यक भी होता है। किंतु लोकतंत्र की यही शक्ति तब कमजोर पड़ने लगती है जब किसी वास्तविक मुद्दे का केंद्र धीरे-धीरे बदलकर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, वैचारिक ध्रुवीकरण और सत्ता संघर्ष में परिवर्तित हो जाता है। तब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक लाभ-हानि का गणित आगे आ जाता है। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं ने पूरे देश को झकझोर दिया। लाखों विद्यार्थियों ने वर्षों तक कठिन परिश्रम किया, परिवारों ने अपनी आर्थिक क्षमता से कहीं अधिक खर्च कर बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया, लेकिन जब परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठे तो स्वाभाविक रूप से छात्रों और अभिभावकों का विश्वास डगमगाया। ऐसी स्थिति में सरकार से जवाब मांगना, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की अपेक्षा करना और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग करना पूरी तरह उचित है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की पहली जिम्मेदारी यही होती है कि वह नागरिकों, विशेषकर युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करे। यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी पेपर लीक की घटना को केवल एक प्रशासनिक चूक कहकर टाला नहीं जा सकता। यह केवल प्रश्नपत्र की चोरी नहीं, बल्कि लाखों सपनों के साथ विश्वासघात है। ऐसे अपराधों में शामिल व्यक्तियों, गिरोहों अथवा अधिकारियों की निष्पक्ष जांच और शीघ्र दंड आवश्यक है। यदि व्यवस्था में कमियाँ हैं तो उन्हें दूर करना सरकार की जिम्मेदारी है। परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाना, डिजिटल निगरानी बढ़ाना, उत्तरदायित्व तय करना और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करना अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का एक दूसरा पक्ष भी सामने आया। जैसे-जैसे विरोध प्रदर्शन बढ़े, अनेक स्थानों पर मूल मुद्दे की जगह राजनीतिक विमर्श ने ले ली। विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और वैचारिक समूहों ने इस विषय को अपने-अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत करना शुरू किया। छात्रहित का प्रश्न धीरे-धीरे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बन गया। कुछ मंचों पर सरकार की नीतियों की आलोचना हुई, तो कहीं पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न लगाए गए। कहीं-कहीं भाषा की मर्यादा भी टूटती दिखाई दी। ऐसे में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या आंदोलन का लक्ष्य छात्रों को न्याय दिलाना था या राजनीतिक लाभ अर्जित करना? लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। विपक्ष सरकार से प्रश्न पूछता है, नीतियों की समीक्षा करता है और जनता की आवाज को संसद तथा सड़कों तक पहुँचाता है। इसी प्रकार सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी केवल अपनी उपलब्धियाँ गिनाना नहीं, बल्कि जनता की शंकाओं का उत्तर देना भी है। लोकतंत्र तब स्वस्थ रहता है जब दोनों पक्ष अपनी संवैधानिक भूमिका का सम्मान करें। किंतु यदि हर मुद्दा केवल राजनीतिक लाभ और हानि के तराजू पर तौला जाने लगे तो सबसे अधिक नुकसान आम नागरिक का होता है। भारत का लोकतंत्र अनेक कठिन दौरों से गुजरा है। स्वतंत्रता के बाद देश ने राजनीतिक अस्थिरता भी देखी और आपातकाल जैसा दौर भी, जब नागरिक स्वतंत्रताओं पर व्यापक प्रतिबंध लगे।

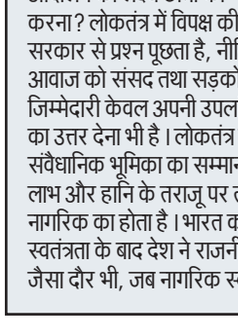

ललित शर्मा
संपादक

प्रशासनिक भ्रष्टाचार: जब कानून नहीं, रिश्वत तय करने लगे व्यवस्था का चेहरा

एन0के0शर्मा
लेखक

भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। रिश्वत तो उसके विशाल साम्राज्य का केवल दिखाई देने वाला एक छोटा-सा दरवाजा है। असली भ्रष्टाचार उससे कहीं अधिक गहरा, अधिक संगठित और अधिक भयावह है-जहाँ कानून को जानबूझकर अस्पष्ट रखा जाता है, फाइलों को जानबूझकर रोका जाता है, नागरिक को जानबूझकर चक्कर कटवाए जाते हैं, शिकायतों का जानबूझकर फर्जी निस्तारण किया जाता है और फिर पूरे तंत्र को इस तरह खड़ा किया जाता है कि पीड़ित व्यक्ति अंततः थककर या तो चुप हो जाए या अपनी जेब खोल दे।

यही वह क्षण है, जब प्रशासन जनसेवा का संस्थान नहीं रहता-वह नागरिक की विवशता का बाजार बन जाता है। और इस बाजार में सबसे महंगी वस्तु होती है-न्याय। भारत का प्रशासनिक ढांचा संविधान, कानून और लोककल्याण की भावना पर आधारित है। अधिकारी और कर्मचारी जनता के सेवक हैं; जनता उनके सामने याचक नहीं। लेकिन व्यवहार में अनेक नागरिक सरकारी कार्यालयों में प्रवेश करते समय ऐसा महसूस करते हैं जैसे वे किसी अदृश्य साम्राज्य के दरबार में जा रहे हों-जहाँ नियम राजा है, अधिकारी उसका प्रतिनिधि और नागरिक केवल एक असहाय प्रजा।

कागज पर अधिकार। दफ्तर में एहसान। कानून में समय-सीमा। व्यवहार में अनंत प्रतीक्षा। पोर्टल पर शिकायत। जमीन पर खानापूर्ति। फाइल पर टिप्पणी। वास्तविकता में सौदेबाजी।

यही है उस प्रशासनिक भ्रष्टाचार का चेहरा, जिसे चमकदार सरकारी विज्ञापन, डिजिटल पोर्टल और 'पारदर्शिता' के भाषण छिपा नहीं सकते।

भ्रष्टाचार का पहला चरण: नागरिक को अपराधी बना दो: प्रशासनिक भ्रष्टाचार का सबसे घातक रूप वह है जिसमें पीड़ित नागरिक को ही अपराधी जैसा महसूस कराया जाता है। वह अपने अधिकार के लिए कार्यालय जाता है। उसे बताया जाता है-'कागज पूरे नहीं हैं।'

वह कागज पूरे करता है। 'फिर कहा जाता है-'प्रक्रिया पूरी नहीं हुई।' वह प्रक्रिया पूरी करता है। फिर नई आपत्ति। फिर नया अधिकारी। फिर नई फाइल। फिर नई तारीख। और अंततः वह समझ जाता है कि समस्या कागजों में नहीं है-समस्या यह है कि उसकी फाइल से किसी को 'लाभ' नहीं हो रहा।

यह भ्रष्टाचार का सबसे क्रूर मनोवैज्ञानिक मॉडल है। नागरिक को इतना थका दो कि वह अपने अधिकार की कीमत खुद पूछने लगे। 'कितना देना होगा?' यह प्रश्न नागरिक की जुबान से निकलता है, लेकिन इसके पीछे पूरी व्यवस्था की विफलता छिपी होती है।

जिस देश में नागरिक को अपना वैध काम कराने के लिए यह समझना पड़े कि किस मेज पर कितना 'सम्मान' देना है, वहां भ्रष्टाचार केवल व्यक्ति का अपराध नहीं रह जाता। वह एक संस्थागत संस्कृति बन जाता है।

फाइलें नहीं रुकतीं, उन्हें रोका जाता है: सरकारी कार्यालयों में फाइलों की गति अक्सर किसी प्राकृतिक प्रक्रिया का परिणाम नहीं होती। वह कई बार जानबूझकर नियंत्रित की जाती है। जिस फाइल में 'कुछ नहीं' है, वह महीनों घूमती रहती है। जिस फाइल में 'कुछ है', वह अचानक पंख लगाकर उड़ने लगती है। कभी फाइल बाबू के पास। कभी अनुभाग अधिकारी के पास। कभी निरीक्षण के लिए। कभी टिप्पणी के लिए। कभी अनुमोदन के लिए। कभी पुनः परीक्षण के लिए। कभी 'उच्च स्तर' पर। और कभी अचानक गायब।

फाइलों का यह खेल केवल प्रशासनिक अक्षमता नहीं है। अनेक मामलों में यह नागरिक की विवशता को आर्थिक अवसर में बदलने की तकनीक बन जाता है। जिस व्यवस्था में काम करने के लिए नागरिक को बार-बार उपस्थित होना पड़े, हर बार नई जानकारी देनी पड़े और हर बार किसी नए व्यक्ति की कृपा पर निर्भर रहना पड़े, वहां भ्रष्टाचार के लिए उपजाऊ जमीन तैयार हो जाती है।

'निस्तारण' की संस्कृति: शिकायत खत्म, समस्या नहीं: डिजिटल शासन ने नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने की सुविधा तो दी, लेकिन कई जगहों पर शिकायत निस्तारण की संस्कृति ने एक नया प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या शिकायत का निस्तारण वास्तव में समस्या का समाधान है? या केवल पोर्टल पर एक उत्तर अपलोड कर देना? नागरिक कहता है- 'मुझसे अवैध धन की मांग हुई।' उत्तर आता है- 'शिकायतकर्ता से संपर्क किया गया। समस्या का समाधान कर दिया गया।' नागरिक कहता है- 'मुझ पर गलत कर लगाया गया।' उत्तर आता है- 'नियमों के अनुसार कर लगाया गया है।' नागरिक पूछता है- 'कौन-सा नियम?' उत्तर नहीं आता। नागरिक प्रमाण देता है। उत्तर बदल जाता है। नागरिक पुनः आपत्ति करता है। फिर वही अधिकारी। फिर वही विभाग। फिर वही निष्कर्ष। यह निस्तारण नहीं है। यह प्रशासनिक आत्म-सुरक्षा की तकनीक है।

जब शिकायत की जांच उसी तंत्र से कराई जाती है जिसके विरुद्ध शिकायत है, तो निष्पक्षता की संभावना पहले ही कमजोर हो जाती है। यदि किसी विभागीय अधिकारी पर आरोप है कि उसने गलत निर्णय लिया, और उसी विभाग का अधीनस्थ अधिकारी उस निर्णय को सही घोषित कर देता है, तो यह न्याय नहीं-संस्थागत आत्मरक्षा है। भ्रष्टाचार केवल पैसा नहीं लेता, वह सत्य भी चुरा लेता है: रिश्वत का पैसा दिखाई देता है। लेकिन भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा नुकसान अदृश्य होता है। वह सत्य को चुरा लेता है। वह योग्य व्यक्ति का अवसर चुरा लेता है। वह गरीब का अधिकार चुरा लेता है। वह ईमानदार अधिकारी की प्रतिष्ठा चुरा लेता है। वह कानून में नागरिक का विश्वास चुरा लेता है। और अंततः वह लोकतंत्र की आत्मा चुरा लेता है। क्योंकि लोकतंत्र केवल मतदान का नाम नहीं है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-नागरिक को विश्वास हो कि यदि उसके साथ अन्याय हुआ, तो राज्य उसकी बात सुनेगा।

लेकिन जब नागरिक यह मानने लगे कि बिना पहुंच, बिना प्रभाव, बिना पैसे और बिना राजनीतिक संरक्षण के उसका काम नहीं होगा, तब लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ-राज्य पर विश्वास-ढहने लगता है।

रिश्वत लेने वाला अकेला दोषी नहीं: भ्रष्टाचार की चर्चा में अक्सर केवल उस व्यक्ति को दोषी ठहराया जाता है जो रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता है। लेकिन क्या वह अकेला दोषी है? उसके ऊपर बैठा अधिकारी, जो सब जानता है लेकिन चुप रहता है? वह सहकर्मी, जो हिस्सा लेकर आंखें बंद करता है? वह अधिकारी, जो शिकायत आने पर जांच के नाम पर उसे दबा देता है? वह राजनीतिक संरक्षण, जो कार्रवाई रोक देता है? वह नागरिक, जो मजबूरी में रिश्वत देता है? वह व्यवस्था, जो ईमानदार व्यक्ति को अकेला छोड़ देती है? भ्रष्टाचार एक व्यक्ति का अपराध हो सकता है, लेकिन उसका विस्तार हमेशा एक नेटवर्क से होता है। कई बार रिश्वत की राशि ऊपर से नीचे तक बंटती है। कई बार कोई सीधे पैसे नहीं लेता, लेकिन पद, पोस्टिंग, संरक्षण और प्रभाव के माध्यम से लाभ प्राप्त करता है। कई बार भ्रष्टाचार नकद में नहीं, ठेके में होता है। कभी जमीन में। कभी अनुमति में। कभी नियुक्ति में। कभी स्थानांतरण में। कभी फाइल रोकने में। कभी गलत रिपोर्ट बनाने में। कभी सही रिपोर्ट दबाने में। इसलिए भ्रष्टाचार को केवल 'रिश्वत' तक सीमित करना, बीमारी को केवल बुखार समझने जैसा है।

सबसे खतरनाक भ्रष्टाचार: ईमानदार दिखने वाला भ्रष्टाचार: भ्रष्टाचार का एक नया और अधिक खतरनाक रूप विकसित हुआ है-कागजी ईमानदारी। न कोई पैसा लेते हुए पकड़ा गया। न कोई खुला आदेश गलत लिखा गया। न कोई स्पष्ट रूप से कानून तोड़ा गया। लेकिन परिणाम? नागरिक का नुकसान। सरकार का नुकसान। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का लाभ। फाइल में सब कुछ नियमसम्मत। वास्तविकता में सब कुछ संदिग्ध। ऐसे मामलों में भ्रष्टाचार नोटों की गड्डियों में नहीं मिलता। वह निर्णयों की दिशा में छिपा होता है। किसी को समय पर अनुमति। किसी को वर्षों की प्रतीक्षा। किसी की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई। किसी की शिकायत पर मौन। किसी की फाइल में नियमों की उदार व्याख्या। किसी अन्य की फाइल में नियमों की कठोर व्याख्या। यही है चयनात्मक प्रशासन। और चयनात्मक प्रशासन, भ्रष्टाचार का सबसे सभ्य चेहरा है।

'काम नहीं होगा'-यह भी भ्रष्टाचार है: यदि कोई अधिकारी किसी वैध कार्य को जानबूझकर नहीं करता, तो वह केवल लापरवाही नहीं कर रहा। वह नागरिक के अधिकार का हनन कर रहा है। यदि कोई अधिकारी जानबूझकर फाइल लंबित रखता है ताकि आवेदक दबाव में आए, तो यह निष्क्रियता नहीं-एक प्रकार का प्रशासनिक उत्पीड़न है। यदि शिकायत का समाधान संभव होने के बावजूद उसे गलत तथ्य के आधार पर बंद किया जाता है, तो यह केवल गलती नहीं-जनविश्वास के साथ धोखा है। और यदि कोई अधिकारी अपने पद का उपयोग नागरिक को डराने, अपमानित करने या चुप कराने के लिए करता है, तो वह जनसेवक नहीं, सत्ता का स्थानीय सामंत बन चुका है। लोकतंत्र में वर्दी, पद, मुहर और सरकारी कुर्सी किसी को नागरिक से ऊपर नहीं बनाती। लेकिन प्रशासनिक संस्कृति के अनेक हिस्सों में यह भ्रम गहरा हो चुका है कि सरकारी पद व्यक्ति को उत्तरदायित्व नहीं, विशेषाधिकार देता है। यहीं से भ्रष्टाचार जन्म लेता है।

कानून का जंगल और विवश नागरिक: साधारण नागरिक कानूनों, नियमों, अधिनियमों, शासनादेशों, परिपत्रों और प्रक्रियाओं के जंगल में प्रवेश करता है। प्रशासन इस जटिलता को सरल बनाने के बजाय कई बार उसका लाभ उठाता है। नागरिक से कहा जाता है- 'यह नियम देखिए।'

बदलाव की नींव: किताबें, कलम और जनचेतना

डॉ विजय गर्ग
लेखक

इतिहास गवाह है कि किसी भी समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन केवल सत्ता परिवर्तन से नहीं, बल्कि विचार परिवर्तन से आते हैं। जब लोगों की सोच बदलती है, तब समाज बदलता है; और जब समाज बदलता है, तब राष्ट्र प्रगति की ओर बढ़ता है। इस विचार परिवर्तन की सबसे मजबूत नींव किताबें, कलम और जनचेतना हैं। ये तीनों ऐसे साधन हैं जो बिना हिंसा के समाज में क्रांति ला सकते हैं। तलवारें भय पैदा कर सकती हैं, लेकिन किताबें विश्वास जगाती हैं; हथियार सत्ता दिला सकते हैं, परंतु कलम इतिहास बदल सकती है; और जनचेतना वह शक्ति है जो किसी भी परिवर्तन को स्थायी बना सकती है। किताबें केवल ज्ञान का संग्रह नहीं होतीं, बल्कि वे पीढ़ियों के अनुभव, संघर्ष और उपलब्धियों का सार होती हैं। एक अच्छी पुस्तक पाठक को सोचने, समझने और सही-गलत का विवेक विकसित करने की प्रेरणा देती है।

दुनिया के अनेक महान नेताओं, वैज्ञानिकों, समाज सुधारकों और विचारकों ने स्वीकार किया है कि उनके जीवन की दिशा बदलने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुस्तकें व्यक्ति को केवल शिक्षित नहीं बनातीं, बल्कि उसे संवेदनशील, जिम्मेदार और जागरूक नागरिक भी बनाती हैं। कलम को सदियों से परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम माना गया है। पत्रकारों, लेखकों, कवियों और विचारकों ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज की कुरीतियों को उजागर किया, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई और लोगों को जागरूक किया। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में लेखों, पुस्तिकाओं, समाचार-पत्रों और भाषणों ने जनमानस को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अनेक सामाजिक आंदोलनों की शुरूआत किसी हथियार से नहीं, बल्कि एक विचार और एक लेख से हुई। यही कारण है कि कहा जाता है- 'कलम की ताकत तलवार से अधिक होती है।' लेकिन केवल किताबें और कलम ही पर्याप्त नहीं हैं। यदि समाज में जनचेतना न हो, तो श्रेष्ठ विचार भी सीमित दायरे में रह जाते हैं। जनचेतना का अर्थ है-लोगों का अपने अधिकारों, कर्तव्यों, सामाजिक जिम्मेदारियों और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक होना। जब नागरिक जागरूक होते हैं, तभी वे अन्याय का विरोध करते हैं, भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते हैं, पर्यावरण संरक्षण में भाग लेते हैं, शिक्षा को बढ़ावा देते हैं और समाज को बेहतर बनाने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। भारतीय इतिहास में अनेक उदाहरण मिलते हैं जहाँ जनचेतना ने बड़े परिवर्तन संभव किए। स्वतंत्रता संग्राम केवल नेताओं का आंदोलन नहीं था, बल्कि करोड़ों जागरूक नागरिकों का सामूहिक प्रयास था। सामाजिक सुधार आंदोलनों ने बाल विवाह, सती प्रथा, छुआछूत और लैंगिक भेदभाव जैसी कुरीतियों को चुनौती दी।

शिक्षा और जागरूकता ने समाज में समानता और मानवाधिकारों की भावना को मजबूत किया। आज डिजिटल युग में किताबों और कलम का स्वरूप बदल गया है। ई-पुस्तकें, ब्लॉग, ऑनलाइन समाचार, सोशल मीडिया और डिजिटल मंच विचारों के नए माध्यम बन चुके हैं। इससे ज्ञान पहले की तुलना में अधिक सुलभ हुआ है। हालांकि, इस सुविधा के साथ एक बड़ी चुनौती भी आई है-भ्रामक सूचनाओं और अफवाहों का तेजी से प्रसार। इसलिए आज केवल जानकारी प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि सही और विश्वसनीय जानकारी की पहचान करना भी उतना ही आवश्यक है। जनचेतना का अर्थ अब डिजिटल साक्षरता और तथ्यपरक सोच से भी जुड़ गया है। शिक्षा इस पूरी प्रक्रिया का आधार है। विद्यालय और महाविद्यालय केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं होने चाहिए, बल्कि ऐसे केंद्र बनने चाहिए जहाँ विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत, प्रश्न पूछने की क्षमता, तर्कशील सोच और सामाजिक संवेदनशीलता विकसित हो। जब युवा किताबों से ज्ञान, कलम से अभिव्यक्ति और जनचेतना से जिम्मेदारी सीखते हैं, तब वे समाज के सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनते हैं। परिवर्तन केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि हम नियमित रूप से पढ़ें, अपने विचार जिम्मेदारी से व्यक्त करें, समाज की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें और दूसरों को भी जागरूक करें, तो छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं। एक पुस्तक किसी एक व्यक्ति का जीवन बदल सकती है, एक लेख हजारों लोगों की सोच बदल सकता है और जागरूक नागरिकों का समूह पूरे समाज की दिशा बदल सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम पढ़ने की संस्कृति को पुनर्जीवित करें, पुस्तकालयों को सशक्त बनाएं, लेखन और संवाद को प्रोत्साहित करें तथा युवाओं में आलोचनात्मक चिंतन की क्षमता विकसित करें। जिस समाज में किताबों का सम्मान होता है, जहाँ कलम स्वतंत्र होती है और जहाँ नागरिक जागरूक होते हैं, वहाँ लोकतंत्र मजबूत होता है और विकास अधिक समावेशी बनता है। निष्कर्षतः, बदलाव की वास्तविक नींव हिंसा, भय या शक्ति प्रदर्शन में नहीं, बल्कि किताबों के ज्ञान, कलम की शक्ति और जनचेतना की जागरूकता में निहित है। यही तीनों मिलकर ऐसे समाज का निर्माण करते हैं जहाँ विचारों का सम्मान हो, संवाद की संस्कृति विकसित हो और हर नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहे। यदि हमें एक न्यायपूर्ण, शिक्षित और प्रगतिशील भारत का निर्माण करना है, तो हमें किताबों को अपना मित्र, कलम को अपना माध्यम और जनचेतना को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाना होगा।

विरहन की दर्द

उदय किशोर साह

कविता

काली कोयलिया डाली से करती फरियाद
बेशरमी क्यूं भूल गया घर की तुम याद
गम की मारी चन्दा तेरी प्यारी अबोध चकोरी
कब समझोगो तुम प्रीत की रीत संवाद

सावन बीता भादो भी ना मन को है जीता
फागुन की भी क्या बीत जायेगी फुहार
लौट आ परदेशी अपने घर वापस आ जौशी
खेत खलिहान में हैं जीने की संभावना अपार

चुन्नु नित्य रोता मुन्नु भी तेरी याद में ना सोता
नित्य करता रहता है तेरी यादों की हर बात
ना चाहिये हमें निगोड़ी झुमका लौट आ दुमका
दु:ख सुख सह लेगें हम दोनों झोपड़ी में साथ

मंगरू घर आया सहरु को भी परदेश ना भाया
उन सब के घर मन रही दीपावली की त्यौहार
किस बात पे रूठा तुँ बेदर्दी मेर प्रियवर
छोड़ छाड़ के आ वापस घर आज है इतवार

ये जीवन है संग जीने की संग संग मरने की
मत कर जीवन की अरमानों को तुँ। बरबाद
ना जाने कब आ जायेगी धरती पे . .क़यामत
मन की हर बातें तुम कर दो आज अबाद

ज्योतिषी

चातुर्मास 2026 : आत्मशुद्धि, संयम और साधना का पावन काल

डॉ. सोनिका जैन
लेखिका

भारतीय संस्कृति में चातुर्मास का विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक और ज्योतिषीय महत्व है। यह पावन काल मनुष्य को सांसारिक भागदौड़ से कुछ समय निकालकर आत्मचिंतन, संयम और साधना की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। वर्ष 2026 में देवशयनी एकादशी के साथ सनातन परंपरा में चातुर्मास का शुभारंभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान श्रीहरि विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। 20 नवंबर 2026 को देवउठनी एकादशी के साथ चातुर्मास का समापन माना जाता है, जिसके बाद विवाह सहित मांगलिक कार्यों के शुभ मुहूर्त पुनः प्रारंभ होते हैं।

आत्मपरिवर्तन का अवसर है चातुर्मास

चातुर्मास का वास्तविक उद्देश्य केवल धार्मिक नियमों का पालन करना नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाना है। इस अवधि में जप, तप, व्रत, दान, स्वाध्याय, सत्संग और सेवा का विशेष महत्व माना गया है। यदि इन महीनों में व्यक्ति किसी एक दुर्गुण का त्याग कर एक सद्गुण अपनाने का संकल्प ले, तो यही चातुर्मास की सच्ची साधना है। क्रोध के स्थान पर क्षमा, अहंकार के स्थान पर विनम्रता, संग्रह के स्थान पर दान और स्वार्थ के स्थान पर सेवा को अपनाकर जीवन को नई दिशा दी जा सकती है।

ज्योतिषीय दृष्टि से भी विशेष महत्व

ज्योतिषीय दृष्टिकोण से चातुर्मास आत्मचिंतन और आध्यात्मिक ऊर्जा के संचय का महत्वपूर्ण समय माना जाता है। इस दौरान मंत्र-जप, ध्यान, ईश्वर आराधना, स्वाध्याय और सात्विक जीवनशैली मानसिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है। भगवान विष्णु और भगवान शिव की आराधना, तुलसी पूजन, जरूरतमंदों की सहायता और जीव-दया जैसे पुण्य कार्यों का विशेष महत्व है। ज्योतिष भी यही संदेश देता है कि ग्रहों की अनुकूलता के साथ हमारे कर्म और आचरण की शुद्धता जीवन को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जैन धर्म में चातुर्मास का विशेष स्वरूप

जैन धर्म में चातुर्मास का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। वर्षा ऋतु में सूक्ष्म जीवों की उत्पत्ति अधिक होने के कारण अहिंसा के पालन हेतु जैन साधु-साध्वियां विहार सीमित कर एक स्थान पर विराजमान होते हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं को संतों के सान्निध्य में धर्मश्रवण, स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण, तप और आराधना के विशेष अवसर प्राप्त होते हैं। जैन परंपरा में चातुर्मास का समापन कार्तिक अमावस्या अर्थात दीपावली के पावन अवसर पर माना जाता है। दीपावली जैन धर्म में भगवान महावीर के निर्वाण कल्याणक का महान पर्व भी है। इस दृष्टि से चातुर्मास का यह काल आत्मशुद्धि और तपस्या से प्रारंभ होकर आत्मज्योति एवं मोक्ष के संदेश के साथ पूर्णता की ओर बढ़ता है। चातुर्मास के दौरान आने वाला दशलक्षण महापर्व उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य जैसे महान धर्मों को जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है।

चातुर्मास को बनाएं जीवन परिवर्तन का अभियान

चातुर्मास हमें सिखाता है कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। जरूरतमंद की सहायता करना, जीवों के प्रति दया रखना, पर्यावरण की रक्षा करना, भोजन की बबार्दी रोकना और अपने व्यवहार से किसी का मन न दुखाना भी सच्ची धार्मिक साधना है। आइए, चातुर्मास 2026 में हम एक सार्थक संकल्प लें-एक बुरी आदत का त्याग करें, एक अच्छी आदत अपनाएं और प्रतिदिन कम से कम एक सकारात्मक कार्य करें। आज के तनावपूर्ण और भागदौड़ भरे जीवन में चातुर्मास का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है।

यह हमें अपने विचारों में सकारात्मकता, वाणी में मधुरता, व्यवहार में विनम्रता और कर्मों में सेवा को स्थान देने की प्रेरणा देता है। चातुर्मास का वास्तविक सार कुछ महीनों तक संयम रखना ही नहीं, बल्कि इस अवधि में प्राप्त संस्कारों को पूरे जीवन का हिस्सा बनाना है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

विश्व आईवीएफ दिवस पर देव नन्दिनी टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर में सजा खुशियों का मिलन, आईवीएफ से जन्मे बच्चों के परिवारों का हुआ सम्मान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। विश्व आईवीएफ दिवस के अवसर पर शुक्रवार को गढ़ रोड स्थित देव नन्दिनी टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर में एक भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बांझपन के प्रति जागरूकता फैलाना तथा आईवीएफ के माध्यम से संतान सुख प्राप्त करने वाले परिवारों की खुशियों को साझा करना रहा।इस अवसर पर देव नन्दिनी टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर से आईवीएफ तकनीक के माध्यम से जन्मे हजारों बच्चों में से चयनित 25 बच्चों को उनके माता-पिता सहित विशेष रूप से समारोह में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चों और उनके अभिभावकों का स्वागत किया गया तथा उनके साथ खुशियां साझा की गईं।समारोह में बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्यक्रम का सबसे भावुक और आकर्षक क्षण तब आया, जब आमंत्रित सभी 25 बच्चों का सामूहिक जन्मदिन केक काटकर बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बच्चों को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।इस अवसर पर कई दंपत्तियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. विमलेश शर्मा, सर्जन डॉ. श्याम कुमार तथा वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट डॉ. शिव कुमार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देव नन्दिनी टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर की बदौलत उनका माता-पिता बनने का सपना साकार हुआ।आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. विमलेश शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में बांझपन को लेकर फैली भ्रांतियों और झिझक को दूर करना तथा लोगों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेने के लिए प्रेरित करना है। वहीं डॉ. श्याम कुमार ने कहा कि बांझपन कोई अभिशाप नहीं, बल्कि एक चिकित्सीय समस्या है, जिसका आधुनिक आईवीएफ तकनीक से सफल उपचार संभव है। कार्यक्रम के समापन पर आमंत्रित सभी बच्चों को उपहार एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर देव नन्दिनी टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर का समस्त चिकित्सकीय एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

सिकंदराबाद में भव्य संगठन विस्तार कार्यक्रम, सैकड़ों लोगों ने थामा भाकियू का दामन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बुलंदशहर। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा एवं उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आबिद खान के नेतृत्व में रविवार, 26 जुलाई 2026 को सिकंदराबाद में भव्य संगठन विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों, मजदूरों, युवाओं एवं आम लोगों ने भाग लिया।संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम के दौरान विभिन्न पदों पर नई नियुक्तियां की गईं।

जाकिर खान को अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष (बुलंदशहर), मोनू त्यागी को युवा जिला अध्यक्ष, नीरज कुमार को जिला अध्यक्ष मजदूर सभा, अरविंद कुमार को जिला उपाध्यक्ष मजदूर सभा, पवन कुमार को तहसील अध्यक्ष सिकंदराबाद, रोहित कुमार को तहसील उपाध्यक्ष, फुरकान को तहसील सचिव, नेतराम मास्टर जी को ग्राम अध्यक्ष गासूपुर, रवि कुमार को जिला सचिव मजदूर सभा, सलाउद्दीन खान को प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक मोर्चा तथा दानिश खान को प्रदेश प्रवक्ता अल्पसंख्यक मोर्चा नियुक्त किया गया।नवनियुक्त पदाधिकारियों का संगठन की ओर से फूल-माला पहनाकर एवं नियुक्ति पत्र देकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा किसान, मजदूर और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों लोगों ने भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) की सदस्यता ग्रहण कर संगठन से जुड़ने की घोषणा की। पदाधिकारियों ने इसे बुलंदशहर जनपद में संगठन के बढ़ते जनाधार का प्रमाण बताया।इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष मजदूर सभा हरिओम प्रधान, राष्ट्रीय महासचिव युवा नितिन पंडित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष एम.एस. भाटी, जिला अध्यक्ष बुलंदशहर पम्मी राठी, प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक नौशाद साफी, मेरठ मंडल अध्यक्ष गौरव त्यागी, युवा प्रदेश अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश विपिन त्यागी, प्रदेश सचिव जमशाद, युवा मेरठ मंडल अध्यक्ष प्रमोद नेता जी, महानगर अध्यक्ष नोएडा सतीश शर्मा, युवा जिला अध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर संजीव नायक, प्रदेश सचिव मुंदर यादव, नगर अध्यक्ष बिलासपुर राजूउद्दीन तथा तहसील अध्यक्ष सदर साहिल सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में संगठन के नेताओं ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) किसानों, मजदूरों, युवाओं, अल्पसंख्यकों एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी और पूरे प्रदेश में संगठन का विस्तार लगातार जारी रहेगा।

एसटीएफ यूनिट और पिलखुवा पुलिस लूट के मामले में फरार एक लाख का इनामी गिरफ्तार

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के पिलखुवा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार चौहान और एसटीएफ यूनिट लखनऊ की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए एक लाख के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम रोहित है जोकि लूट के एक मामले में फरार चल रहा था। आरोपी पर 1,00,000 का नाम घोषित था। संयुक्त टीमों ने बदमाश को पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। हापुड़ जिले के अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने बताया कि गिरफ्तार किया गया रोहित पुत्र विजयपाल निवासी मोहल्ला विकासनगर खुर्जा नगर, खुर्जा, जनपद बुलंदशहर अवैध असलहे के बल पर लूट की घटना के अभियोग में फरार चल था जिसके ऊपर एक लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए रविवार को आरोपी को पिलर नंबर 20 के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी के खिलाफ जनपद अलीगढ़, बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतम बुद्धनगर, हापुड़ में हत्या, लूट, डकैती, गैंगस्टर आदि धाराओं में करीब 31 मुकदमे पंजीकृत हैं।

गर्भावस्था में वायरल संक्रमण से बचाव पर विशेषज्ञों ने दिया जोर,नई कार्यकारिणी गठित,डॉ.दीपशिखा गोयल अध्यक्ष व अनुभा बनी सचिव

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में आब्स गायनी सोसायटी के तत्वावधान में शनिवार को रेलवे रोड स्थित टूनाइट होटल में चिकित्सा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गर्भावस्था के दौरान होने वाले वायरल संक्रमण और उससे बचाव पर विस्तार से चर्चा की गई।अलीगढ़ से पधारीं चिकित्सक डॉ. सीमा डाकिम ने 'वायरल इन्फेक्शन इन प्रेग्नेंसी' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान वायरल संक्रमण मां और गर्भ में पल रहे शिशु दोनों के लिए खतरनाक हो सकता है। इससे समय से पहले प्रसव, कम वजन का बच्चा और अन्य जटिलताएं हो सकती हैं। बचाव के लिए साफ-सफाई, समय पर टीकाकरण और संतुलित आहार जरूरी है। बुखार, खांसी, शरीर में दर्द जैसे लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें, लापरवाही न करें।कार्यक्रम में अस्पतालों में इलाज के दौरान होने वाले विवादों पर भी चर्चा हुई। चिकित्सकों ने कहा कि मरीज हमारे लिए परिवार के सदस्य की तरह होते हैं।

हम कभी नहीं चाहते कि इलाज के दौरान कोई दुर्घटना हो। ऐसे में परिजनों से अपील है कि वे धैर्य रखें और डॉक्टरों का सहयोग करें। तोड़फोड़ और मारपीट किसी समस्या का समाधान नहीं है। सोसायटी की संरक्षक डॉ. आशा मिश्रा ने वर्ष 2026-2027 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की। डॉ. दीपशिखा गोयल को अध्यक्ष, डॉ. अनुभा को सचिव और डॉ. अंशिका अग्रवाल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस टीम का नाम 'गार्गी' रखा गया है। टीम का स्लोगन 'स्वास्थ्य, समृद्ध, शक्ति, सशक्त नारी' घोषित किया गया।कार्यक्रम के दौरान टीम गार्गी के द्वारा बनवासी गर्ल्स हॉस्पिटल में अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर छात्राओं को निशुल्क सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गए।कार्यक्रम में प्रमुख महिला चिकित्सक डॉ. मंजुला, डॉ. रेखा, डॉ. रेनू बंसल, डॉ. पुष्पा, डॉ. विमलेश शर्मा, डॉ. उमा शर्मा, डॉ. शोभा, डॉ. मीनू, डॉ. नमिता, डॉ. अल्पना, डॉ. शालिनी, डॉ. जूही, मानसी, राखी शास्त्री सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक और समाजसेवी मौजूद रहे।

किसान कर रहे 27 जुलाई से धरना-प्रदर्शन की तैयारी

सिंचाई विभाग धामपुर के अधिकारियों की हठधर्मिता के खिलाफ किसान हुए लामबंद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

धामपुर। क्षेत्र में बारिश न होने और कालागढ डाम से नहरों में 15 दिन से पानी न छोड़े जाने के कारण गरीब अन्नदाता किसान मंहगा डीजल खरीद कर धान की रोपाई करने को मजबूर है। जबकि किसानों द्वारा सिंचाई विभाग के अधिकारियों से सूखी नहरों में पानी छोड़े जाने का लगातार अनुरोध किया जाता रहा है । सिंचाई विभाग धामपुर के अधिकारियों की हठधर्मिता के चलते गरीब मजदूर अन्नदाता किसानों को आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड रहा है। सिंचाई विभाग की हठधर्मिता को देखते हुए क्षेत्रीय किसानों की एक बैठक का आयोजन शिव मंदिर परिसर मुरलीवाला में आयोजित की गई। बैठक में बड़ी तादाद में मौजूद ग्राम मुरलीवाला, जामनवाला, तुरतपुर, कादराबाद एवं नबावपुर के किसानों ने सोमवार 27 जुलाई को अधिशासी अभियंता अफजलगढ सिंचाई खण्ड धामपुर के कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मौजूद शिव सेना जिलाध्यक्ष चौ.संजय राणा ने बताया कि धरना-प्रदर्शन की सूचना अधिशासी अभियंता अफजलगढ सिंचाई खण्ड धामपुर, जिलाधिकारी बिजनौर एवं पुलिस अधीक्षक बिजनौर को दे दी गई है। बैठक में बीजेन्दर सिंह, ब्रह्मसिंह, वीयार्दा, महेंद्र सिंह सिरोही, सरदार कुलदीप सिंह, इंद्रजीत सिंह, बलराम राठी, हरपाल सिंह राणा, सतेंद्र सिंह, विजय पाल सिंह यादव, महेंद्र सिंह, सरदार सोनू सिंह, परमजीत सिंह, सरदार सरपाल सिंह, सरदार जसपाल सिंह, पंकज शर्मा, राजीव सागवान, परवीन सिंह सागवान, सहदेव सिंह, आदर्श सिंह, सोदान सिंह आदि मौजूद रहे।

लवकुश कुमार फौजी को किया सम्मानित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिजनौर। महात्मा विदुर पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन बिजनौर ने जेवीएस रिसोर्ट बिजनौर में 27 वे कारगिल विजय दिवस पर कारगिल में हुए शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई।

और जनपद की वीर नारियों और कारगिल के योद्धाओं और उनके परिवार को सम्मानित किया। लवकुश फौजी को मेजर जनरल अजीत सिंह गहलौत सेना मेडल कैप्टन अनिल गुप्ता अउ्द देवेंद्र पाल द्वारा सम्मानित किया गया कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान गाने से शुरू हुई। कारगिल विजय दिवस बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया कार्यक्रम मे हरचंदपुर गुरूकुल स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति के कई नाट्य प्रोग्राम दिखाये। और पूर्व सैनिकों ने भी अलग-अलग देशभक्ति भरे गीत सुनाए। जिस अतिथिगण

इस मौके पर मेजर जनरल अजीत सिंह गहलोत सेना मेडल, ऐश्वर्या मौसम चौधरी वरिष्ठ समाजसेवी, इन्दिरा सिंह नगर पालिका अध्यक्ष बिजनौर, एडीएम देवेंद्र पाल, कैप्टन अनिल कुमार गुप्ता, मेजर सुशील कुमार कीर्ति चक्र, मेजर अभिनव सिंह, कृषि अधिकारी जसवीर तेवतिया, मेजर दानिश, संगठन संरक्षक यशपाल सिंह, अध्यक्ष अरविंद लाम्बा, चंद्रभान सिंह, नरेश कुमार, मुकेश कुमार,रेशपाल सिंह, वीरेंद्र सिंह राहुल जवान, शौवीर सिंह, मुनेंद्र पाल सिंह आदि सैकड़ों की संख्या में पूर्व सैनिक और वीर नारियां और उनके परिवार के सदस्य भारी संख्या मे उपस्थित रहे।

रूट्स इंटरनेशनल स्कूल में हर्षोल्लास और देशभक्ति के साथ मनाया गया कारगिल विजय दिवस

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिजनौर। रूट्स इंटरनेशनल स्कूल बिजनौर में कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर एक भव्य और देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और अमर बलिदान को याद करना तथा विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन शांतनु गुप्ता, डायरेक्टर एकडमिक यश गुप्ता , आदित्य गुप्ता, डायरेक्टर (मैनेजिंग) दिनेश त्यागी, प्रधानाचार्य डॉ.अभिनव चौधरी, उपप्रधानाचार्या रूचि शर्मा, एकसिकयूटिव आफिसर भूपेंद्र सिंह द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस दौरान पूरा विद्यालय परिसर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से गूँज उठा।

कारगिल विजय दिवस के इस विशेष अवसर पर विद्यालय के चारों हाउस रमन हाउस, कलाम हाउस, भाभा हाउस और बोस हाउस के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर अपनी कला का प्रदर्शन किया। कक्षा 9 से 12वीं (स्किट प्रतियोगिता): वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि और सैनिकों के संघर्ष पर आधारित भावुक और प्रेरणादायक लघु नाटिका (स्किट) प्रस्तुत कर सभी की आँखें नम कर दीं।

कक्षा 6 से 8वीं (ग्रुप डांस): मध्य वर्ग के बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर मनमोहक सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर अपनी ऊर्जा और उत्साह से समां बांध दिया। कक्षा 3 से 5वीं (कविता पाठ): प्राथमिक वर्ग के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने वीर रस से ओत-प्रोत कविताओं के माध्यम से देश के अमर शहीदों को अपनी अनूठी शैली में नमन किया। विभिन्न हाउस के बीच हुई इन प्रतियोगिताओं में बच्चों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ देखकर उपस्थित सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधन और शिक्षकों ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की और विजेताओं को सम्मानित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम जो खुली हवा में सांस ले रहे हैं, वह हमारे वीर जवानों की बदौलत है। उन्होंने छात्रों से देश के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाने का आह्वान किया। विद्यालय के चेयरमैन शांतनु गुप्ता बच्चों और शिक्षको को कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाई दी।राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

ज़िले के दो शूरवीरों ने कारगिल युद्ध में दुश्मनों के दांत खट्टे करते हुए हैं गए थे शहीद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में कारगिल युद्ध के जनपद के दो बेटों ने भी तोलोलिंग व अन्य चोटी पर दुश्मनों के छक्के छुड़ाते हुए शहीद हो गए थे। उनकी बहादुरी के किस्से आज भी गांव में सुनाएं जाते हैं। ज़िले के गढ़ क्षेत्र के गांव लुहारी निवासी लांस नायक सतपाल सिंह 32 वर्ष की उम्र में कारगिल युद्ध 28 जून 1999 शहीद हो गए थे।

सतपाल का जन्म गांव लुहारी में ही 17 जनवरी 1967 को हुआ था। वर्तमान में शहीद के परिजन मेरठ में रहते हैं। दोनों बच्चों का कहना है कि पिता के सपनों को साकार करने के लिए वह भी भारतीय सेना में शामिल होकर देश सेवा करना चाहते हैं। गांव में पुश्तैनी मकान के सामने ही स्मारक स्थल बना हुआ है। हर साल शहीद की पत्नी बबीता देवी, पुत्र पुलकित, पुत्री दिव्या समेत ग्रामीण स्मारक स्थल पर हवन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। उधर हापुड़ के गांव उदयपुर के लांस नायक शहीद चमन सिंह ने राजपूताना राइफल्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

तोलोलिंग चोटी पर कब्जा करने के लिए पांच जवानों के साथ चमन सिंह ऊपर चढ़े थे। 13 जून को पहाड़ी पर पहुंचकर उन्होंने कई दुश्मनों को ढेर कर दिया। दुश्मनों ने उनके ऊपर घात लगाकर गोलियां बरसा दीं जिससे चमन सिंह शहीद हो गए थे। जिसके बाद उनकी प्रतिमा गांव में स्थापित की गई।

शहीद की पत्नी शकुंतला देवी फिलहाल अपने दो पुत्रों कपिल और गौरव के साथ नोएडा में रहती हैं। सरकार द्वारा दी गयी आर्थिक मदद और पेट्रोल पंप मिलने के बाद उन्होंने बच्चों के पालन पोषण के लिए नोएडा रहना शुरू कर दिया।

शिवा पाठशाला में गूंजे वंदे मातरम के नारे,कारगिल विजय दिवस पर बच्चों ने दी शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में कारगिल युद्ध की 27वीं वर्षगांठ पर शनिवार को नगर क्षेत्र की शिवा प्राथमिक पाठशाला देशभक्ति के रंग में रंग गई। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने डांस, नाटक, क्विज और पोस्टर के माध्यम से कारगिल के शहीदों की शौर्य गाथा को जीवंत किया।कार्यक्रम की शुरूआत तिरंगा फहराकर और बच्चों के देशभक्ति नृत्य से हुई।

इसके बाद छात्र-छात्राओं ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से पूरा परिसर गूंजा दिया। बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टरों में कारगिल की चोटियों, तिरंगे और सैनिकों के बलिदान को दशार्या गया। नाट्य प्रस्तुति में बच्चों ने कारगिल युद्ध के दृश्यों का मंचन कर दर्शकों को भावुक कर दिया।विद्यालय में क्विज प्रतियोगिता भी कराई गई जिसमें बच्चों ने कारगिल युद्ध से जुड़े सवालों के जवाब देकर अपनी जानकारी दिखाई। देशभक्ति गीतों पर हुए डांस ने माहौल को और जोशपूर्ण बना दिया।प्रधानाध्यापिका डॉ. सुमन अग्रवाल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों ने विषम परिस्थितियों में भी देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। हमें उनके त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेकर देशसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए।उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में राष्ट्रभक्ति और अनुशासन की भावना विकसित करते हैं।कार्यक्रम में शिक्षिका नीतू नारंग, डॉ. हरजीत कौर,सुमन,सोनम सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। अंत में सभी ने शहीदों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

जितिन प्रसाद ने कासगंज-ऐशबाग दैनिक एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी, पूरनपुर से हुआ शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर,पीलीभीत। पूरनपुर क्षेत्र के रेल यात्रियों के लिए रविवार का दिन ऐतिहासिक बन गया। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद ने रविवार शाम करीब चार बजे पूरनपुर रेलवे स्टेशन से कासगंज-ऐशबाग दैनिक एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ट्रेन के नियमित संचालन की शुरूआत के साथ ही क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो गई। उद्घाटन के मौके पर रेलवे स्टेशन पर उत्साह का माहौल देखने को मिला। जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने नई रेल सेवा का स्वागत किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी सहित रेलवे और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर सांसद जितिन प्रसाद ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार रेलवे सुविधाओं के विस्तार और यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रही है। नई ट्रेन के संचालन से क्षेत्र के लोगों को राजधानी लखनऊ तक आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और विकास को नई गति मिलेगी।

कासगंज-ऐशबाग दैनिक एक्सप्रेस के संचालन से कासगंज, पीलीभीत, पूरनपुर, मैलानी और लखीमपुर क्षेत्र के हजारों यात्रियों को प्रतिदिन लाभ मिलेगा। यह ट्रेन लखनऊ के ऐशबाग स्टेशन तक सीधी रेल सुविधा उपलब्ध कराएगी, जिससे छात्रों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और आम यात्रियों का सफर अधिक सुगम और किफायती होगा।स्थानीय लोगों ने इस नई रेल सेवा को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए केंद्र सरकार, रेलवे प्रशासन और सांसद जितिन प्रसाद का आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन समारोह के दौरान रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों को ट्रेन के संचालन और सुविधाओं की जानकारी भी दी। क्षेत्रवासियों का मानना है कि इस नई रेल सेवा से व्यापार, शिक्षा, रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे पूरनपुर और आसपास के क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को नई मजबूती मिलेगी।

शौर्य दिवस के अवसर पर सीएम धामी ने शहीद स्मारक पर अमर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कारगिल विजय दिवस (शौर्य दिवस) के अवसर पर गांधी पार्क, देहरादून स्थित शहीद स्मारक पर अमर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर परमवीर चक्र से सम्मानित वीरों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि 1.50 करोड़ से बढ़ाकर 2 करोड़ किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भी सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं शहीदों के परिजनों के सम्मान और कल्याण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

शहीदों के आश्रितों की अनुग्रह राशि 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख की गई है तथा वीरता पुरस्कार से सम्मानित जवानों के लिए एकमुश्त एवं वार्षिक सहायता राशि में भी वृद्धि की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बलिदानी परिवारों के एक सदस्य को सरकारी सेवा में समायोजन, आवेदन की समय-सीमा दो वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष, शहीद परिवारों की बेटियों के विवाह हेतु सहायता, वीरता पुरस्कार से सम्मानित जवानों के लिए राज्य परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा, पूर्व सैनिकों को संपत्ति क्रय पर स्टाम्प शुल्क में छूट तथा शस्त्र लाइसेंस प्रक्रिया के सरलीकरण जैसे अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

पुलिस ने मिशन शक्ति के तहत बहू बेटी सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित कर किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

शुजागंज अयोध्या। कोतवाली पुलिस क्षेत्र के करीम पुर गांव में मिशन शक्ति के तहत पुलिस द्वारा बहु बेटी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महिलाओं बहु बेटियों को जागरूक किया गया।

जानकारी के अनुसार कोतवाली रूदौली क्षेत्र के अंतर्गत करीम पुर गांव में महिला उप निरीक्षक स्तुति गुप्ता रिक्रूट महिला आरक्षी सैंकी द्वारा जाकर मिशन शक्ति अभियान के तहत बहू बेटी सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें गांव की महिलाओं बहू बेटियों को जागरूक किया गया जिसमें उन्हें विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 1090, 1930, 112, 102, आदि के बारे में बताया गया ।तथा सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं के बारे में बताया गया महिलाओं व बालिकाओं से उनकी समस्याओं को पूछ अन्य जानकारियां साझा की गई।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का लाइव प्रसारण, 86 लाभार्थियों को कार्ड

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। राम लुभाई साहनी राजकीय महिला महाविद्यालय, पीलीभीत में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का लाइव प्रसारण एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की उपस्थिति में जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं, गणमान्य नागरिकों और महाविद्यालय की छात्राओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा योजना के शुभारंभ का लाइव प्रसारण देखा ।लाइव प्रसारण के बाद राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, गन्ना विकास एवं चीनी मिलें संजय सिंह गंगवार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान जनपद पीलीभीत के विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकों-शिक्षिकाओं और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को कुल 86 कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संजय सिंह गंगवार ने कहा कि प्रदेश सरकार की यह योजना शिक्षकों और उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। योजना के माध्यम से शिक्षकों को इलाज के दौरान आर्थिक परेशानियों से राहत मिलेगी और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी। इससे उपचार के समय आने वाले आर्थिक भार को कम करने के साथ ही लाभार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, परियोजना निदेशक पवन सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सचिन गिहार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रवीन्द्र कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. महेश बाबू ने किया।

सीओ रुदौली के नेतृत्व में कोतवाली परिसर में पुलिसकर्मी के साथ की गई बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

शुजागंज अयोध्या। कोतवाली रूदौली परिसर में क्षेत्राधिकारी रुदौली अरविन्द सोनकर के नेतृत्व में समस्त पुलिस कर्मचारी गण के साथ मीटिंग की गई जिसमें सीओ द्वारा जनसुनवाई, आईजीआरएस प्रार्थना पत्र पब्लिक से अच्छा व्यवहार करना उनके समस्याओं का तत्काल निस्तारण करना इस समय समस्त ऐप के बारे में जानकारी करना और उसके क्रियान्वयन के बारे में जानकारी देना है। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक संजय मौर्य अपराध निरीक्षक शत्रोहन यादव, शुजागंज चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह, उपनिरीक्षक युवराज सिंह, जितेंद्र सिंह,रवि शर्मा सहित समस्त पुलिस कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस पर जिलाधिकारी ने शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

राष्ट्र की एकता एवं वीरता को किया नमन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को जनपद बागेश्वर में शहीदों के अदम्य साहस, शौर्य एवं सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों की शुरूआत प्रातः क्रॉस कंट्री दौड़ से हुई, जिसके बाद तहसील परिसर से नुमाइशखेत तक प्रभात फेरी निकाली गई। इसके उपरांत तहसील परिसर स्थित शहीद स्मारक स्थल पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए माल्यार्पण एवं गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इनके पश्चात सांस्कृतिक ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने कहा, कि 'जब भी मैं अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूँगी, सदैव यह स्मरण रखूँगी कि इस मातृभूमि की रक्षा के लिए हमारे वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया है।'

उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस राष्ट्रभक्ति, साहस और सर्वोच्च बलिदान का स्मरण कर देशसेवा के संकल्प को और दृढ़ करने का अवसर है।

जनपदवासियों ने भी वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके अद्वितीय बलिदान को नमन किया। इस दौरान वीरांगना जानकी बोरा, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा, पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल, अपर जिलाधिकारी एन एस नबियाल, उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी, सैनिक कल्याण अधिकारी वेद प्रकाश चंद्र जोशी, तहसीलदार ऋतु गोस्वामी, वरिष्ठ नागरिक दिलीप खेतवाल एवं इंद्र सिंह खेतवाल, संजय शाह जगाती, वृक्ष मित्र किशन सिंह मलड़ा सहित पूर्व सैनिक, जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

ढप्टी गांव में ग्रामीण के आवास में हो रहे भूधसाव को रोकने की मांग पर पूर्व विधायक खफा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। कांडा क्षेत्र के ढप्टी गांव में भूस्खलन से ग्रामीण को हो रहे नुकसान की भरपाई की व्यवस्था नही होने पर पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण ने नाराजगी जताई है। उन्होंने गांव का दौरा कर ग्रामीण की आपबीती सुनी। ग्रामीण प्रकाश धामी ने बताया कि उनका आवासीय मकान लोक निर्माण विभाग कपकोटके ढप्टी झाकरा बनलेख मार्ग की वजह से लगातार धस रहा है। कहा कि लगभग एक महीने से तहसील व विभाग के चक्कर काटने को मजबूर हैं।बारिश में कभी भी आपदा की जद में आवासीय मकान आने का खतरा बना हुआ है। वही जगह जगह भूधसाव से लगभग एक किलोमीटर का क्षेत्र धस रहा है।जिस पर पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान लोनीवि अभियंता से जल्द ग्रामीण की समस्या का समाधान करने को लेकर मोबाइल पर वार्ता की।इस दौरान विभागीयअधिकारी द्वारा शीघ्र सड़क का निरीक्षण कर समस्या के समाधान करने का भरोसा दिया।उन्होंने जल्द समस्या का समाधान नही होने और ग्रामीणों को अनावश्यक रूप से विभागों के चक्कर कटवाने पर आंदोलन की चेतावनी दी।इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अर्जुन भट्ट, केवलानंद पाण्डे ब्लॉक अध्यक्ष, नीमा धामी ग्राम प्रधान, नरेन्द्र सिंह धामी, डाक्टर मनोज जोशी पूर्व क्षेत्र पंचायत, श्याम सिंह कर्म्याल, राजेन्द्र सिंह राठौड़, नरेन्द्र सिंह राठौड़, राजेन्द्र सिंह प्रधान,तुला राम प्रधान, कृष्णा सिंह ललित जोशी कैप्टन धाम सिंह गढ़िया कुन्दन गोस्वामी, युवराज सिंह धामी आदि मौजूद थे।

जनता के दरबार में पहुंचे धनपति वर्मा, समस्याएं सुनकर समाधान का दिलाया भरोसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरखेड़ा/पीलीभीत। समाजवादी अधिवक्ता सभा, विधानसभा बरखेड़ा के अध्यक्ष धनपति वर्मा एडवोकेट ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का व्यापक जनसंपर्क कर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने उदयकरनपुर, परसादपुर, रामपुरा फकीरे, भैरों कला, भैरों खुर्द, सपहा, ढकिया केशरपुर, सन्डई, कुबेरपुर (ता. आनंदपुर), अभयपुर (मु. शाहगढ़), बगला उर्फ मित्रसेन, शाहगढ़, सिसैया तथा नदहा (ता. माधौटांडा) सहित कई गांवों का भ्रमण किया।जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से धनपति वर्मा को अवगत कराया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा किसानों, नौजवानों, मजदूरों, महिलाओं, व्यापारियों और समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि आज आम जनता बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है। किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य, नौजवानों को रोजगार और ग्रामीणों को बेहतर सड़क, बिजली एवं पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता है, लेकिन इन मुद्दों पर सरकार अपेक्षित स्तर पर काम करने में विफल रही है।धनपति वर्मा एडवोकेट ने कहा कि समाजवादी पार्टी का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर जनता की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि समाजवादी पार्टी की नीतियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व को मजबूत बनाने के लिए संगठन से जुड़ें तथा आगामी चुनावों में समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लें। इस अवसर पर ऋषिपाल वर्मा, जगदीश लोधी, वेदप्रकाश दीक्षित, कामता प्रसाद, सुरेश चन्द्र, राजीव वर्मा, वीरेंद्र प्रताप सिंह, शतीस कुमार वर्मा, विपिन वर्मा, रामऔतार वर्मा, शोभित, सेवाराम सहित तमाम कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

एसपी के निर्देश पर वारंटियों के खिलाफ बड़ा अभियान, 44 गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा विभिन्न मामलों में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पीलीभीत पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को बड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के अलग- अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने दबिश देकर कुल 44 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद संबंधित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, थाना कोतवाली पुलिस ने 14 वारंटियों, थाना माधोटांडा पुलिस ने 11, थाना गजरौला पुलिस ने 9 तथा थाना न्यूरिया पुलिस ने 10 वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस की इस कार्रवाई से लंबे समय से न्यायालय में लंबित मामलों में वांछित आरोपियों के बीच खलबली मची रही। कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए वारंटियों में पराग अग्रवाल, शशि प्रसाद, मेघनाथ, महेश उर्फ गगनलाल, तोताराम, हरिकिशोर, तेजबहादुर, मंशाराम, पुष्पपाल, मिठ्ठूलाल राना, विजय, सरोज उर्फ शाहखुर्श उर्फ भैंगड़, असलम और आसिफ शामिल हैं।इसी क्रम में माधोटांडा पुलिस ने रमेश मंडल, गौर राय, खोखन मंडल, प्रदीप उर्फ पोक्कू, भोला भारती, शिवकुमार मंडल, संजय बाला, मोन उर्फ मनवीर, धर्मेंद्र कुमार, सत्यपाल और रविन्द्र उर्फ पिन्टू को गिरफ्तार किया। वहीं गजरौला पुलिस की कार्रवाई में रमेश, दीपचन्द्र, महेन्द्र, विद्याप्रकाश, रामदुलारे, सोमपाल, मेवाराम, रामऔतार और दामोदर स्वरूप को पकड़ा गया।

कारगिल विजय दिवस पर शहीद पार्क में गूंजा देशभक्ति का जज्बा, शहीदों को किया नमन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को शहीद पार्क सुरेंद्र सिंह लवाना, पूरनपुर में वीर शहीदों की स्मृति में भव्य श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह सहित सामाजिक संस्था 'नेकी की दीवार' और रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान शहीदों के अदम्य साहस, वीरता और देश के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उपस्थित लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम का उद्देश्य वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही युवा पीढ़ी को भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान से परिचित कराना रहा। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि कारगिल के अमर शहीदों का बलिदान देश के प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि जनपद के वीर सपूत हवलदार सुरेंद्र सिंह लवाना ने भी मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, जिसे जनपदवासी सदैव गर्व और सम्मान के साथ याद करते रहेंगे।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत भाषण प्रस्तुत किए। बच्चों ने बैंड की धुन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम स्थल पर कैंडल जलाकर वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी गई। ब्रह्मकुमारी आश्रम से पहुंची बहनों ने भी शहीद स्मारक पर कैंडल और पुष्प अर्पित कर शहीद सुरेंद्र सिंह लवाना को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले स्कूली बच्चों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्य मंत्री, जिलाधिकारी तथा विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने शहीद पार्क में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने शहीद हवलदार सुरेंद्र सिंह लवाना के परिजनों को शाल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति और भावनाओं का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने उपस्थित लोगों को शहीदों के बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण की याद दिला दी।

प्रभारी मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा की, जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मंत्री ने अधिकारियों से कहा- केंद्र व राज्य सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पहुंचाना सुनिश्चित करें

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। प्रभारी मंत्री/राज्यमंत्री ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम्य विकास, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, उ0प्र0 शासन एवं जनपद की प्रभारी मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने जिलाध्यक्ष भाजपा श्रीमती नीतू सिंह, विधायक खलीलाबाद अंकुरराज तिवारी, विधायक मेंहदावल अनिल त्रिपाठी, विधायक धनघटा गणेश चंद्र चौहान, जिलाधिकारी आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना, अपर जिलाधिकारी (वि/रा) सत्य प्रकाश व मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा बैठक में मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा विकास, निर्माण एवं अन्य लाभार्थीपरक योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति की विभागवार गहन समीक्षा की गयी। मंत्री ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा आम जनमानस के स्वास्थ्य, शिक्षा, भरण पोषण, आवास आदि से सम्बन्धित जितनी भी योनजाएं चालू की गयी हैं, उन सबका लाभ प्रत्येक दशा में पात्र व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए। कोई भी पात्र लाभार्थी योजना के लाभ से वंचित न रहे तथा आम जनमानस में सरकार द्वारा

संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाए। सम्बंधित विभागीय अधिकारीगण उनके विभाग से सम्बंधित योजनाओं के आच्छादन एवं प्रगति की गुणवत्ता का निरीक्षण गॉव में जाकर करते रहें तथा लाभार्थियों का फीड बैक भी अवश्य प्राप्त करे। उन्होंने कहा कि जनपद को साफ-सुथरा, विकासशील एवं सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी समस्त प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि आप लोगों के ईमानदारी एवं निष्ठा पूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से ही जनपद का विकास होगा।

समीक्षा के दौरान विधायकगण ने उनके क्षेत्र में विभिन्न विभागों से संबंधित स्थानीय समस्याओं से भी अवगत कराया गया जिस पर मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान कराने के निर्देश दिए तथा किसी भी समस्या अथवा बजट के अभाव आदि की स्थिति में स्वयं को अवगत कराने हेतु भी कहा। समीक्षा के दौरान मंत्री ने पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना में अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करवाते हुए जनपद के अधिक से अधिक व्यक्तियों को योजना का लाभ दिलाए जाने के निर्देश अधिशाषी अभियंता विद्युत को दिए। उन्होंने अधि0अभि0 विद्युत को निर्देशित करते हुए कहा कि यदि किसी गॉव में बार-बार ट्रान्सफार्मर खराब हो रहा है अथव ओवर लोड के कारण फाल्ट हो रहा है तो उसकी क्षमता वृद्धि अवश्य कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत कटौती रोस्टर के अनुसार ही हो जिससे किसानों को समस्या न हो। मंत्री ने अधिशाषी अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया कि विधानसभावार सभी माननीयों के अनुसार क्षमता वृद्धि एवं नये ट्रान्सफार्मर लगवाये जायें। मंत्री ने कहा कि आगामी श्रावण मास/कावड़ यात्रा को देखते हुए विद्युत विभाग द्वारा यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि अवागमन के रास्तों में विद्युत के तार ढीले अथवा जर्जर न हो तथा विद्युत पोलो में विद्युत उतरने की सम्भावना न हो। आमजन से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण आदि की दशा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सम्पर्क कर वार्ता अवश्य की जाए, जिससे समस्या का गुणवत्तापरक निदान हो। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में सम्भावित बाढ़ के दृष्टिगत तटबंधों की सुरक्षा एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि बाढ़ से बचाव के दृष्टिगत समस्त व्यवस्थाएं सुचारू एवं अपडेट रहे। बेसिक शिक्षा की समीक्षा के दौरान मा0 मंत्री जी ने कहा कि शिक्षकों की समय से उपस्थिति एवं शिक्षा की गुणवत्ता के संबंध में अधिकारीगण विद्यालयों का औचक निरीक्षण करें तथा बच्चों से फीड बैक भी प्राप्त करे। माननीय मंत्री जी द्वारा जनपद के विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति, बच्चों की संख्या, शिक्षा की गुणवत्ता, पठन-पाठन सामग्री व मिड-डे-मील की गुणवत्ता व निरंतरता आदि के बारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुरादाबाद में ओवैसी का हमला: बोले- भाजपा को रोकने के लिए विपक्षी एकजुट हो, देश को 40-45 साल का युवा प्रधानमंत्री चाहिए

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हैदराबाद से सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी शनिवार शाम मुरादाबाद पहुंचे। उनके शहर पहुंचने पर पार्टी प्रदेश सचिव वकी रशीद एडवोकेट व अन्य कार्यकताओं और समर्थकों ने जगह-जगह उनका जोरदार स्वागत किया। बड़ी संख्या में समर्थक काफिले के साथ जामा मस्जिद पार्क तक पहुंचे, जहां आयोजित जनसभा में ओवैसी ने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला।

सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि देश का युवा अब तानाशाही के खिलाफ खड़ा हो गया है और जनता की ताकत के आगे सरकार को झुकना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि हाल के घटनाक्रमों ने सरकार को अपने फैसलों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और संविधान की रक्षा हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

अपने संबोधन में ओवैसी ने केंद्र सरकार की नीतियों, शिक्षा, बेरोजगारी, अल्पसंख्यकों के मुद्दों

तथा संविधान से जुड़े विषयों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि देश को नफरत नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार और बराबरी के अधिकार की जरूरत है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और लोकतांत्रिक तरीके से जनता के बीच रहने का आह्वान किया।

जनसभा में एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। ओवैसी के आगमन को लेकर प्रशासन भी सतर्क रहा और कार्यक्रम स्थल के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इन मुद्दों पर सपा चुप रही। उन्होंने कहा कि आजम खान जेल में हैं और पूर्व सांसद अतीक अहमद की हत्या के मामले में भी समाजवादी पार्टी खुलकर सामने नहीं आई। सभा में मौजूद समर्थकों की भीड़ का उत्साह देखकर ओवैसी ने कहा कि मोबाइल फोन की रोशनी से जगमगाती यह सभा देखकर मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख की नींद उड़ जाएगी। अपने संबोधन में ओवैसी ने हाल में जंतर-मंतर पर हुए युवा आंदोलनों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश का युवा अब अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतर चुका है और जंतर-मंतर से उठी युवाओं की आवाज ने केंद्र सरकार को असहज कर दिया है। प्रधानमंत्री के मुद्दे पर ओवैसी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है, इसलिए इसकी बागडोर भी युवा हाथों में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब देश को 80 वर्ष का नहीं, बल्कि 40 से 45 वर्ष का ऊजार्वान, दूरदर्शी और युवा प्रधानमंत्री चाहिए।

तुर्कपट्टी पुलिस का बड़ा खुलासा: 35 लाख के आभूषण और नकदी सहित पिता-पुत्र गिरफ्तार, जालसाजी का पदार्फाश

'कोमल ज्वैलर्स एंड बर्तन स्टोर' संचालक ग्राहकों के गिरवी गहने लेकर हुआ था फरार, पुलिस ने सर्विलांस की मदद से दोनों आरोपियों को दबोचा

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के थाना तुर्कपट्टी पुलिस ने जालसाजी के एक चर्चित मामले का सफल अनावरण करते हुए फरार चल रहे पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 229.19 ग्राम पीली धातु (सोने के आभूषण), 3.9 किलोग्राम सफेद धातु (चांदी के आभूषण), 20 हजार रुपये नकद, नेपाली करेंसी की एक गड्डी तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद सामान की कुल अनुमानित कीमत लगभग 35 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर राकेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना तुर्कपट्टी पुलिस और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने यह सफलता हासिल की।

विश्वास जीतकर लोगों के गहने रखे गिरवी, फिर

दुकान छोड़कर फरार

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त मोहन वर्मा और उसका पुत्र राज वर्मा मूल रूप से जनपद देवरिया के निवासी हैं। करीब 7-8 वर्ष पूर्व दोनों ने थाना तुर्कपट्टी क्षेत्र के नोनियापट्टी तिराहे पर 'कोमल ज्वैलर्स एंड बर्तन स्टोर' नाम से दुकान खोलकर सोने-चांदी के आभूषणों का कारोबार शुरू किया था।

आरोप है कि दोनों स्थानीय सराफा व्यापारियों से खरीद-बिक्री करने के साथ-साथ ग्रामीणों को विश्वास में लेकर उनके सोने-चांदी के आभूषण गिरवी रखकर ऋण भी देते थे। 11 मई 2026 को दोनों आरोपी दुकान खुली छोड़कर उसमें रखा पूरा सामान लेकर फरार हो गए, जिसके बाद थाना तुर्कपट्टी में मुकदमा दर्ज किया गया था।

गहन विवेचना और सर्विलांस से मिली सफलता

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना तुर्कपट्टी पुलिस एवं सर्विलांस सेल लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर रविवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण, नगदी और अन्य सामान बरामद किया।

35 लाख के आभूषण बरामद

बरामदगी में विभिन्न प्रकार के सोने के आभूषण जैसे नथ, नथिया, लाकेट, मांगटीका, झुमका, झुमकी, मंगलसूत्र लाकेट, चैन, कड़ा, अंगूठी आदि शामिल हैं।

वहीं चांदी के आभूषणों में बिछिया, पायल, पाजेब, चैन, ब्रेसलेट, हार, लाकेट, सिक्के सहित अन्य सामान बरामद हुआ है। इसके अलावा 20 हजार रुपये नकद, नेपाली करेंसी की एक गड्डी तथा मोटरसाइकिल (UP-57-BY-1453) भी बरामद की गई।

इन धाराओं में दर्ज है मुकदमा

इस मामले में थाना तुर्कपट्टी पर मु0अ0सं0 112/2026 के तहत धारा 316(2) एवं 317(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध बरामदगी के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

संयुक्त पुलिस टीम ने निभाई अहम भूमिका

इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष आलोक कुमार, उपनिरीक्षक देवव्रत यादव, अंकित सिंह, सर्विलांस प्रभारी शन्नी दूबे सहित थाना तुर्कपट्टी एवं सर्विलांस सेल के कई पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मन की बात' सुनने को बूथों पर जुटे लोग, डिजिटल सशक्तिकरण अभियान भी चला

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड का रविवार को क्षेत्र में विभिन्न बूथों पर सामूहिक प्रसारण किया गया। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष प्रतिभा उर्फ सिमरन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान प्रतिभा उर्फ सिमरन ने उपस्थित लोगों को केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा भाजपा की विकासोन्मुख नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने नागरिकों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम के माध्यम से 100 से अधिक लोगों तक प्रधानमंत्री का संदेश पहुंचाया गया।कार्यक्रम के साथ-साथ डिजिटल सशक्तिकरण अभियान भी चलाया गया। भाजपा आईटी सेल एवं मीडिया प्रभारी विनीत शर्मा ने घर-घर संपर्क कर लोगों के मोबाइल फोन में सरल ऐप डाउनलोड कराया और उसके उपयोग की जानकारी दी। साथ ही लोगों को डिजिटल लर्निंग कोर्स से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कई लोग मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर गजरौला थाने में पीस कमेटी की बैठक, सौहार्द बनाए रखने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने को लेकर रविवार को थाना गजरौला परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर की अध्यक्षता में हुई बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं, कांवड़ यात्रा से जुड़े लोगों तथा पुलिस- प्रशासन के अधिकारियों ने सहभागिता की। बैठक में कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। क्षेत्राधिकारी नगर ने बैठक में मौजूद लोगों से संवाद करते हुए कहा कि श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहेगा। कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक

व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि यात्रा के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें। बैठक में आपसी सौहार्द, भाईचारा और सामाजिक समरसता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सभी समुदायों के लोग मिल-जुलकर शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने में सहयोग करें। सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक या आपत्तिजनक सूचनाओं को बिना पुष्टि के आगे न बढ़ाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस की ओर से किए जा रहे प्रबंधों की जानकारी भी दी। साथ ही स्थानीय लोगों से पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई, जिससे श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। इस अवसर पर नायब तहसीलदार सदर, थानाध्यक्ष गजरौला, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण, धर्मगुरु, संभ्रांत नागरिक, कांवड़ यात्रा से जुड़े लोग तथा अन्य संबंधित व्यक्ति मौजूद रहे। बैठक के माध्यम से पुलिस- प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अख्तर हुसैन, मो. तय्यब ब्लाक उपाध्यक्ष, वसीउल्लाह खान ब्लाक महामंत्री मनोनीत

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विधानसभा चुनाव में सफलता प्राप्त करने के लिए अपना अभियान तेज कर दिया है। सेमरियावा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद अकरम नजीर ने रविवार को नियुक्तियां की हैं। उन्होंने बताया कि दशावा निवासी अख्तर हुसैन को ब्लाक उपाध्यक्ष व बजहरा व परसाशेख न्याय पंचायत का प्रभारी, दरियाबाद निवासी किसान नेता मोहम्मद तय्यब किसान को ब्लाक उपाध्यक्ष व दुधारा न्याय पंचायत प्रभारी, अगया निवासी वसीउल्लाह खान को ब्लाक महामंत्री व तिलजा न्याय पंचायत प्रभारी मनोनीत किया है। उक्त मनोनयन पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण चन्द्र पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष हाजी मोहम्मद नजीर, सैयद तारिक हुसैन, मुहम्मद कलीम, अतीक सिद्दीकी, रियाज अहमद, मौलाना सेराज अहमद, पप्पू शाह, मुहम्मद परवेज अख्तर, मुहम्मद तव्वाब आदि ने बधाई दिये हैं।

पासबुक बनी परेशानी: अहीरौली दान इंडियन गैस एजेंसी पर मनमानी का आरोप, उपभोक्ताओं में आक्रोश

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के अहीरौली दान स्थित इंडियन गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली को लेकर क्षेत्रीय उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि एजेंसी द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर वितरण में मनमानी की जा रही है और बिना पासबुक के गैस सिलेंडर देने से इनकार किया जा रहा है। उनका कहना है कि उपभोक्ता नंबर (डीएससी), आधार कार्ड तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के बावजूद उन्हें गैस नहीं दी जा रही है।

ऑनलाइन रिकॉर्ड होने के बाद भी पासबुक की अनिवार्यता पर सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि अधिकांश उपभोक्ताओं का रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध है। इसके बावजूद एजेंसी कर्मचारी केवल पासबुक की मांग करते हैं। उपभोक्ताओं के अनुसार, घंटों लाइन में इंतजार करने के बाद भी उन्हें बिना पासबुक गैस सिलेंडर देने से मना कर

दिया जाता है, जिससे बुजुर्गों, महिलाओं और दूर-दराज से आने वाले लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

बार-बार चक्कर लगाने से बढ़ रही परेशानी

उपभोक्ताओं का कहना है कि एजेंसी की इस व्यवस्था के कारण उन्हें कई बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे समय और आर्थिक नुकसान दोनों हो रहा है। लोगों का कहना है कि जब उपभोक्ता की पहचान और कनेक्शन का सत्यापन अन्य वैध दस्तावेजों से संभव है, तो केवल पासबुक के आधार पर गैस वितरण रोकना उचित नहीं है।

एजेंसी का बयान रिकॉर्ड में

इस संबंध में जब एजेंसी से संपर्क कर पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो एजेंसी की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया, 'बिना पासबुक के गैस सिलेंडर नहीं दिया जाएगा, जिसको जो करना है कर ले।' यह बयान रिकॉर्ड में उपलब्ध है।

ग्रामीणों ने जांच और कार्रवाई की मांग उठाई

एजेंसी के इस बयान के बाद उपभोक्ताओं में नाराजगी और बढ़ गई है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन, जिला पूर्ति अधिकारी तथा इंडियन ऑयल के संबंधित अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, गैस वितरण व्यवस्था की समीक्षा करने तथा यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

रेलवे स्टेशन के समीप ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव का पंचनामा भरकर परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया है। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी 40 वर्षीय अनुज पवार पुत्र सत्यवान अविवाहित था और नशे का आदी बताया जा रहा है। परिजनों के अनुसार उसने शनिवार को बागपत क्षेत्र के बूढ़पुर रेलवे स्टेशन पर भी ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया था। उस दौरान लोको पायलट की सतर्कता से ट्रेन समय रहते रोक दी गई,

जिससे उसकी जान बच गई थी। घटना की सूचना पर जीआरपी और स्थानीय लोगों ने उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया था। रविवार सुबह अनुज पवार फिर कस्बे के रेलवे स्टेशन के समीप सहारनपुर से दिल्ली जा रही ट्रेन के आगे कूद गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

कांवड़ यात्रा की पवित्रता और गरिमा बनाये रखते हुए सम्पन्न कराएं: महापौर

महापौर व नगरायुक्त ने निगम अधिकारियों के साथ किया कांवड़ रुट का निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। भारतीय संस्कृति के एक महापर्व कांवड़ यात्रा को निर्विघ्न और सौल्लास संपन्न कराने के उद्देश्य से महापौर डॉ. अजय कुमार एवं नगरायुक्त शिपू गिरि ने नगर निगम अधिकारियों के साथ निगम क्षेत्र अंतर्गत कांवड़ रुट का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने निगम द्वारा की जा रही तैयारियों का जायजा लेते हुए कांवड़ मार्ग पर विशेष सफाई व्यवस्था, कूड़ा एकत्रिकरण, पेयजल आपूर्ति, स्थायी एवं अस्थायी शौचालयों एवं प्रकाश व्यवस्था आदि के सम्बंध में अधिकारियों को निर्देश दिए, वहीं शिविर संचालकों से कांवड़ यात्रा और सेवा को पूर्णतः पॉलीथिन मुक्त इवेंट बनाने का आग्रह भी किया। महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कांवड़ पर्व आस्था और श्रद्धा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना का उत्सव है, इसकी पवित्रता और गरिमा को बनाये रखते हुए इसे सम्पन्न कराना हमारा कर्तव्य भी है और नैतिक दायित्व भी।

महापौर डॉ. अजय कुमार एवं नगरायुक्त शिपू गिरि ने अम्बाला रोड स्थित बड़ी नहर के निकट लगने वाले कांवड़ शिविर से निरीक्षण की शुरूआत की। इस दौरान उपसभापति मयंक गर्ग व कांवड़ सेवा संघ के पदाधिकारी संजय फुटेला और रविकांत धीमान भी साथ रहे। महापौर ने बड़ी नहर के निकट लगने वाले शिविर संचालकों के अनुरोध पर वहां बोरिंग चालू कराने व लीकेज ठीक कराने के निर्देश दिए। नगरायुक्त ने उद्यान प्रभारी डॉ. संदीप मिश्रा को अंबाला रोड पर दोनों ओर खड़ी घास कटवाने तथा निर्माण विभाग को भैरों मंदिर के निकट रेलवे लाइन पर दोनों ओर टीन शेड लगाकर लाइन क्रॉस करने के लिए बनाये गए अवैध मार्ग को पूरी तरह बंद कराने के निर्देश दिए।

महापौर ने क्लार्क होटल तिरोह पर स्थित ट्रांसफार्मर की विद्युत विभाग द्वारा बैरिकेटिंग न किये जाने पर उक्त ट्रांसफॉर्मर सहित कांवड़ मार्ग के सभी ट्रांसफॉर्मरों की बैरिकेटिंग सुनिश्चित कराने को कहा। नगरायुक्त ने हाईटेंशन लाइन के नीचे लगाये जा रहे कांवड़ शिविर के सम्बंध में निगम के विद्युत प्रभारी को निर्देश दिए कि वे विद्युत विभाग को पत्र लिखकर इस सम्बंध में पूछ ले और यदि उन्हें आपत्ति हो तो शिविर को आगे-पीछे कर स्थान परिवर्तन कराया जाए। उन्होंने सभी कांवड़ शिविर संचालकों से अपील की कि वे विद्युत तारों को ध्यान में रखकर शिविर लगाएं। नगरायुक्त ने जोनल प्रभारियों को अपने-अपने जोनल क्षेत्र के अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं को अंतिम रुप से दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस बीच महापौर व नगरायुक्त ने संजय कर्णवाल, संजय भटेजा, राजीव चानना आदि के शिविर स्थलों का भी निरीक्षण किया। पार्षद प्रतिनिधि परविंद्र तोमर ने मोबाइल शौचालयों की समय से सफाई कराने और उनमें समय से जलापूर्ति कराने का सुझाव दिया। शिविर संचालक भोलाराम ने महापौर व नगरायुक्त को महाकाल के चित्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। निरीक्षण के दौरान अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव व मृत्युंजय, सहायक नगरायुक्त जे पी यादव व बिकास धर दुबे, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण सुरेंद्र प्रसाद मिश्र, पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा, पथ प्रकाश प्रभारी वी बी सिंह, प्रवर्तन दल प्रभारी एच बी गुरुंग, जेडएसओ गजेंद्र सिंह, मुख्य सफाई निरीक्षक इंद्रपाल सिह व परमानंद तथा अनेक अवर अभियंता शामिल रहे।

7 किलो अवैध गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, बाइक भी बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सिकन्द्राबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है, जिसका इस्तेमाल तस्करी में किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, रविवार को चेकिंग के दौरान संतपुरा गंगनहर पुल के पास से साहिल उर्फ साकिब पुत्र अलाउद्दीन और आसिफ पुत्र मतलूब, दोनों निवासी ग्राम मोहम्मदपुर कलां, थाना सिकन्द्राबाद, को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उनके पास से करीब 7 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख बताई गई है। इस संबंध में थाना सिकन्द्राबाद पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

शिकारपुर में भाकियू महाशक्ति की बैठक, किसानों की समस्याओं को लेकर आंदोलन तेज करने का ऐलान

भाकियू महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तामम नए किसान कार्यकताओं को कराई सदस्यता ग्रहण

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति की बैठक शनिवार रात्रि करीब 9:30 बजे शिकारपुर नगर में एनसीआर अध्यक्ष नरेश प्रधान के नेतृत्व में आयोजित हुई। बैठक का संचालन तहसील अध्यक्ष गौरव चौधरी ने किया, जबकि अध्यक्षता चौधरी चंद्रवीर सिंह ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने केंद्र सरकार से किसानों के लिए एमएसपी गारंटी कानून लागू करने, किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करने तथा भारत-अमेरिका ट्रेड डील का विरोध करने की बात कही। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण ओवरलोड ट्रांसफॉर्मर बार-बार फुंक रहे हैं, जबकि उनकी क्षमता बढ़ाने की मांग लंबे समय से की जा रही है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विजिलेंस टीम गांव-गांव छापेमारी के नाम पर अवैध वसूली कर रही है। वहीं जहांगीराबाद क्षेत्र में डीएपी खाद की गाड़ियों को अन्य स्थानों पर उतारकर ब्लैक मार्केटिंग किए जाने तथा शिकारपुर नगर में तालाब की भूमि पर अवैध कब्जे जैसे मुद्दे भी बैठक में उठाए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि संगठन गांव-गांव सदस्यता अभियान चलाकर 10,000 किसानों को एकजुट करेगा। भाकियू महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान होने तक आंदोलन जारी रहेगा। इस अवसर पर बंटी सिंह लोधी, ठाकुर सुनील सिंह, चंद्रवीर चौधरी, राजकुमार शर्मा, डॉ. सुखपाल सिंह, जिला संयोजक पवनेश मीणा, धर्मवीर सिंह, यशपाल सिंह, अनिल कुमार, अशोक, हरेंद्र सिंह, जीतू शर्मा, हरेंद्र (पीएनबी), सुशील चौधरी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समर टैलेंट फेस्ट 2026 में लायंस क्लब प्रयागराज प्रमिला ने बढ़ाया युवाओं का बढ़ाते

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने और उनका उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से लायंस क्लब प्रयागराज प्रमिला ने इंडी क्लासरूम द्वारा आयोजित 'समर टैलेंट फेस्ट 2026' में सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रतियोगिता में युवाओं ने गायन, गिटार वादन, नृत्य, पियानो सहित विभिन्न विधाओं में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का पहला चरण ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया, जबकि अंतिम चरण का आयोजन डीआरडी डांस क्लासेज, प्रयागराज में किया गया। फाइनल राउंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को लायंस क्लब प्रयागराज प्रमिला की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब की सदस्य लायन आकांक्षा जायसवाल एवं लायन सीमा सिंह ने विजेताओं को अपने हाथों से पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ युवाओं को अपनी छिपी हुई प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं तथा उनमें आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का विकास करती हैं। लायंस क्लब प्रयागराज प्रमिला द्वारा समाज और युवाओं के हित में किए जा रहे ऐसे प्रयास सराहनीय हैं। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए किया गया।

अहमदगढ़ में राष्ट्रीय बजरंग दल ने उठाए पुलिस कार्यप्रणाली पर सवाल, वार्ता के बाद शांत हुआ मामला

बजरंग दल के कार्यकताओं की समस्या सुनकर थाना प्रभारी ने समस्याओं का समाधान करने का दिया आश्वासन

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़(बुलंदशहर)। थाना अहमदगढ़ क्षेत्र में पुलिस की चेकिंग व्यवस्था को लेकर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद/ राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकताओं ने रविवार को विरोध जताया। कार्यकताओं ने पहले थाना घेराव की चेतावनी दी थी, लेकिन थाना प्रभारी से वार्ता के बाद मामला शांत हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार को राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता पहासू रोड स्थित शिव मंदिर में एकत्रित हुए। यहां से उन्होंने थाना घेराव का निर्णय लिया, लेकिन इससे पहले ही थाना प्रभारी बी.डी. गंगवार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और कार्यकताओं से बातचीत की। वार्ता के दौरान कार्यकताओं ने मांग की कि कस्बे में पुलिस द्वारा की जा रही चेकिंग आम लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान न करे। साथ ही किसानों के ट्रैक्टरों से मिट्टी भराव कार्य में पुलिस हस्तक्षेप न करने तथा थाना में तैनात उपनिरीक्षक प्रशांत को हटाने की मांग भी रखी। थाना प्रभारी बी.डी. गंगवार ने कार्यकताओं को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि उपनिरीक्षक प्रशांत को उनके हल्के से हटा दिया गया है तथा अन्य शिकायतों का भी नियमानुसार समाधान कराया जाएगा। मंदिर परिसर में बैठक के दौरान कस्बा अहमदगढ़ के व्यापार मंडल अध्यक्ष मनोज शर्मा समाजसेवी डीके शर्मा आदि लोग पहुंचे जहां पर थाना प्रभारी निरीक्षक से वार्ता के बाद राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकताओं ने अपना विरोध कार्यक्रम समाप्त कर दिया। गोपाल हिंदू जिला उपाध्यक्ष संजय बजरंगी जिला महामंत्री विनय बजरंगी राहुल बजरंगी संदीप कुमार दिवाकर मीणा विवेक मीणा आदर्श चौहान अंकित कुमार नरेंद्र चौधरी प्रिंस चौधरी मोहित चौधरी प्रभात बजरंगी विनय बजरंगी आदि बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बुगरासी में अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार रात जिला खनन अधिकारी ब्रजमोहन सिंह के निर्देशन में स्याना तहसीलदार मनोज रावत ने पुलिस बल के साथ बरोली-खानपुर मार्ग स्थित खनन स्थल पर छापेमारी की। प्रशासनिक टीम के मौके पर पहुंचते ही अवैध खनन में लगे वाहन चालक अपने वाहन लेकर मौके से फरार हो गए। हालांकि कार्रवाई के दौरान दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ लिया गया। स्याना तहसीलदार मनोज रावत ने बताया कि जैसे ही टीम बरोली-खानपुर मार्ग स्थित खनन स्थल पर पहुंची, खनन में लगे अधिकांश वाहन चालक वाहन लेकर भागने में सफल रहे। पकड़े गए वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

खनन विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त छापेमारी से क्षेत्र के खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

मुड़िया पूर्णिमा मेला: द्वादशी के दूसरे दिन भी आस्था का सैलाब, गिरिराज परिक्रमा मार्ग पर उमड़े लाखों श्रद्धालु

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेले के द्वादशी के दूसरे दिन भी गोवर्धन धाम श्रद्धालुओं की अपार आस्था का केंद्र बना रहा। देश के विभिन्न राज्यों के अलावा दूर-दराज क्षेत्रों से आए लाखों श्रद्धालुओं ने दानघाटी मंदिर में गिरिराज महाराज के दर्शन कर सात कोस की परिक्रमा लगाई और ब्रज के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की।

परिक्रमा मार्ग पर दिनभर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। मानसी गंगा, राधाकुंड, कुसुम सरोवर, पूंछरी का लौठा, जतीपुरा और अन्य प्रमुख स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। पूरे मार्ग पर 'राधे-राधे' और 'गिरिराज महाराज की जय' के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए परिक्रमा पूरी करते नजर आए।

मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिस बल, पीएसी तथा अन्य सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस, चिकित्सा शिविर, पेयजल व्यवस्था, सफाई व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों द्वारा लगातार परिक्रमा मार्ग का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा भंडारे, शीतल पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था भी की गई है।

मेले में आने वाले श्रद्धालुओं ने व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए भक्ति और श्रद्धा के साथ गिरिराज महाराज की परिक्रमा पूरी की। प्रशासन का कहना है कि मेले के शेष दिनों में भी श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

810 ग्राम अवैध गांजे के साथ शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, सलेमपुर पुलिस की कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सलेमपुर पुलिस ने रविवार को एक शातिर अभियुक्त को 810 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार चेकिंग अभियान के दौरान खैरपुर जाने वाले मार्ग पर एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में उसके कब्जे से 810 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओमपाल पुत्र दीप सिंह, निवासी ग्राम सलेमपुर, थाना सलेमपुर, जनपद बुलंदशहर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना सलेमपुर में मुकदमा संख्या 223/26 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी पर पहले भी शस्त्र अधिनियम और चोरी सहित कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2020 का शस्त्र अधिनियम का मुकदमा, वर्ष 2024 का चोरी व बरामदगी का मुकदमा तथा वर्ष 2026 का शस्त्र अधिनियम का मुकदमा शामिल है। इस कार्रवाई को थाना प्रभारी नितिन जावला के नेतृत्व में उपनिरीक्षक दुर्गेश चौधरी, उपनिरीक्षक विपुल कुमार, हेड कांस्टेबल जुगल किशोर तथा कांस्टेबल शिवम बालियान की टीम ने अंजाम दिया।

भाजपा सरकार की नीतियों पर सपा का हमला, संगठन विस्तार पर रहा विशेष जोर

हिंदू-मुस्लिम एकता के संदेश के साथ हुई कार्यकताओं की बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर। छतारी कस्बे के मौहल्ला गोपालगंज स्थित समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष शमशुद्दीन सैफी के आवास पर रविवार को पार्टी कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में हिंदू-मुस्लिम एकता, संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा जनसंपर्क अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकताओं ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को पार्टी मंच के माध्यम से शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से उठाने का संकल्प भी लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष शर्मा ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियों से किसान, युवा, व्यापारी, मजदूर और आम नागरिक अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आय, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि जनता इन समस्याओं से परेशान है और सरकार मूलभूत मुद्दों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे रही है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देती रही है। कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव और घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों तथा पूर्व की समाजवादी सरकार के विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं। साथ ही बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करते हुए अधिक से अधिक युवाओं, महिलाओं और नए लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया।

बैठक में संगठन को मजबूती प्रदान करने, आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने तथा सदस्यता अभियान को गति देने पर भी सहमति बनी।

इस अवसर पर आरडी शर्मा, अखलेश, जयप्रकाश, ललित, केके शर्मा, लाला शर्मा, लोकेश, सचिन शर्मा, कुशल शर्मा, इस्लाम पहलवान (पूर्व नगर अध्यक्ष), हाफिज मकसूद, सफीक कुरैशी, कुंवर सरफराज, यूनिश खां, शमशुद्दीन सैफी, इरशाद खां, अबरार सिद्दीकी, अजमेरी खां, उमेश कुमार, तौफीक, राशिद, कौशल पंडित सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जौहर यूनिवर्सिटी को तोड़ने के फैसले का विरोध, एडवोकेट मदनपाल गौतम ने सरकार से आदेश वापस लेने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर/रामपुर। राष्ट्रीय बहुजन पार्टी अंबेडकर एवं भीम वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट मदनपाल गौतम ने रविवार को रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के मुख्य द्वार पर चल रहे धरने में पहुंचकर छात्रों का समर्थन किया। इस दौरान उन्होंने धरने का नेतृत्व कर रहे लोगों के साथ प्रदर्शन में भाग लिया, जहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। एडवोकेट मदनपाल गौतम ने कहा कि रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जौहर यूनिवर्सिटी को ध्वस्त करने के लिए लिया गया निर्णय छात्रों के हित में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई द्वेषपूर्ण भावना से की जा रही है और सरकार को इस निर्णय पर पुनर्विचार कर इसे वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी से पढ़कर छात्र-छात्राएं देश-विदेश में जाकर भारत का नाम रोशन करेंगे तथा उच्च पदों पर कार्य करेंगे। उनके अनुसार प्रदेश में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऐसी 10 उच्चस्तरीय यूनिवर्सिटियां स्थापित की जानी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकें। मदनपाल गौतम ने कहा कि जिस समय जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई थी, उस समय संबंधित अधिकारियों ने सभी औपचारिकताओं और रिपोर्टों के आधार पर अनुमति प्रदान की थी तथा बाद में विश्वविद्यालय को यूजीसी से भी मान्यता प्राप्त हुई। इसलिए सरकार को विश्वविद्यालय को तोड़ने के बजाय प्रदेश में और बेहतर शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने का निर्णय लेना चाहिए।

पूठखास, सिवालखास में राष्ट्रीय लोकदल के सम्मान समारोह एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब

राष्ट्रीय लोकदल किसानों, मजदूरों, युवाओं, व्यापारियों और समाज के प्रत्येक वर्ग की आवाज : के.सी. त्यागी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। सिवालखास विधानसभा क्षेत्र के गांव पूठखास स्थित सीआरएस फार्म हाउस में राष्ट्रीय लोकदल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह, अभिनंदन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन उत्साह, उमंग, जोश और संगठनात्मक एकजुटता के साथ सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में हजारों की संख्या में क्षेत्रीय जनता, पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोकदल संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद के.सी. त्यागी रहे। राष्ट्रीय लोकदल संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पहली बार क्षेत्र में पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी, फूल-मालाओं एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के आयोजक राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव रणवीर सिंह दहिया ने सम्मान स्वरूप के.सी. त्यागी को गदा एवं स्मृति-चिह्न भेंट किया। क्षेत्र की जनता की ओर से एवं जाटव समाज के प्रतिनिधियों ने के.सी. त्यागी को भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के स्वागत संबोधन में रणवीर सिंह दहिया ने कहा कि भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के आदर्शों तथा राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत चौधरी के कुशल नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकदल निरंतर मजबूत हो रहा है। मुख्य अतिथि के.सी. त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों, मजदूरों, युवाओं, व्यापारियों तथा समाज के प्रत्येक वर्ग की आवाज है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल सभी 36 बिरादरियों को साथ लेकर सामाजिक समरसता, भाईचारे और विकास की राजनीति में विश्वास रखता है। उन्होंने भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह तथा स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह के आदर्शों एवं संघर्षों को स्मरण करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत चौधरी के नेतृत्व में पार्टी लगातार मजबूत हो रही है। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रदेश महासचिव श्री रणवीर सिंह दहिया के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जगत सिंह कल्याणपुर ने की। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन सचिन कुमार, मोनू ढिंडाला एवं योगेंद्र कुमार ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ अमरजीत सिंह बिड्डी, प्रदेश अध्यक्ष सामाजिक संगठन सुश्री संगीता दोहरे, विधायक गुलाम मोहम्मद, संजय रसूलपुर सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अभिषेक चौधरी,सुनील रोहटा, नरेंद्र खजूरी, राष्ट्रीय सचिव डॉ. कुलदीप उज्ज्वल, अरुण दहिया, मनोज राठी, प्रवीण कुमार, राजेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय महासचिव एवं रालोद संसदीय बोर्ड के सदस्य सुखबीर सिंह गठिना, खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक तोमर जी, प्रदेश महासचिव अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अतीर रिजवी,रणवीर त्यागी (सीआरएस), विक्रम त्यागी (सीआरएस), श्रीमती नीलम तोमर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। रणवीर दहिया के लड़के संदीप दहिया ने बाईपास पर साठ गाड़ियों के साथ स्वागत किया।

कारगिल विजय दिवस - शहीद विजय शुक्ला को दी गयी श्रद्धान्जलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आई टी आई कॉलेज परिसर में बने पार्क में शहीद विजय शुक्ल को दी गई श्रद्धांजलि ! प्रेम प्रकाश त्रिपाठी कवि द्वारा काव्य रचना के माध्यम से कारगिल युद्ध में शहीद हुए सभी शहीदों को याद कर दी गई विनम्र श्रद्धांजलि ! युवा क्रांति प्रतापगढ़ की टीम द्वारा शहीद विजय शुक्ल की प्रतिमा 15 अगस्त के पहले पार्क लगवाने का दावा किया गया विजय शुक्ल के परिजनों समेत सैकड़ों लोगों ने विजय शुक्ल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिए ! कार्यक्रम में मुख्य रूप से अधिवक्ता जय प्रकाश मिश्र जे पी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल विक्रम सिंह राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला, अधिवक्ता अंजनी सिंह बाबा तहसील बार अध्यक्ष चंद्रेश पाण्डेय अधिवक्ता उत्तम सिंह समाज सेवी रोशन लाल उमर वैश्य समेत सैंकड़ो लोग उपस्थित रहे

कारगिल विजय दिवस पर हवन एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीद मेजर आशाराम त्यागी (महावीर चक्र) की प्रतिमा प्रांगण में आयोजित हवन एवं श्रद्धांजलि सभा 'एक आहुति शहीदों के नाम' कार्यक्रम में विधायक डॉ मंजू शिवाच ने सहभागिता कर कारगिल युद्ध के सभी अमर वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की ।

विधायक डॉ मंजू शिवाच ने कहा कि कारगिल के रणबांकुरों ने अपने अदम्य साहस, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान से यह सिद्ध कर दिया कि भारत माता की रक्षा के लिए हमारे वीर सैनिक अपना सर्वस्व न्योछावर करने से कभी पीछे नहीं हटते। उनका त्याग, राष्ट्रप्रेम और वीरता प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और देशभक्ति का संदेश देती रहेगी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली,पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन के अध्यक्ष मनोज शर्मा पूर्व ब्लैक केट संस्थापक लक्ष्मण सिंह राठी महासचिव ओमपाल तेवतिया जगवीरचौ चंद्रपाल दिनेश त्यागी सत्येंद्र ए पी गुप्ता विनोद गुप्ता रिशिपाल यादव, चौधरी परविंदर आर्य, सोमपाल कश्यप रोहतास जोगराज जितेंद्र बंहापुर रजनीश जे एस तेवतिया जगतपाल महरौली सहित गणमान्य नागरिकों, पूर्व सैनिकों, सामाजिक संगठनों एवं युवाओं ने भी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान को सदैव स्मरण रखने का संकल्प लिया।

कश्यप उत्थान सेवा समिति ने मनाया स्वर्गीय फूलन देवी का बलिदान दिवस

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर कश्यप उत्थान सेवा समिति ने बापूधाम गाजियाबाद में समिति के संयोजक सुखबीर कश्यप की आवास पर स्वर्गीय वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में मनाई। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ नेता समाजवादी पार्टी जेपी कश्यप ने की और मुख्य अतिथि रहे पूर्व मंत्री पन्नालाल कश्यप एवं समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज कश्यप महेश्वरी इस कार्यक्रम का संचालन समिति के महासचिव सुनील कश्यप के द्वारा किया गया इस कार्यक्रमम में वीरांगना फूलन देवी की तस्वीर पर माला अर्पण कर व पुष्प अर्पित कर सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी एवं उनके संघर्ष को याद किया गया इस अवसर पर सभी ने अपने विचार रखें मुख्य रूप से वक्ताओं में सुभाष कश्यप पूर्व जिला अध्यक्ष निषाद पार्टी सुदेश कश्यप भाजपा नेता इस अवसर पर कश्यप उत्थान सेवा समिति ने भारत सरकार से वीरांगना फूलन देवी को भारत रत्न देने की मांग की इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से इस समिति के कानूनी सलाहकार एडवोकेट अनिल कश्यप एवं समिति के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जयवीर कश्यप ने अपनी भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में सैकड़ो लोगों ने भाग लिया जिसमें समिति के संयोजक सतीश कश्यप विपत्रम कश्यप जय भगवान कश्यप अनिल कश्यप वीरेंद्र कश्यप नागेंद्र कश्यप ललित कश्यप रविंद्र कश्यप संचित कश्यप अमरपाल कश्यप रिंकू कश्यप राधे कश्यप देवी सिंह कश्यप राम मास्टर जी आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जाट आरक्षण की मांग को लेकर बैठक में की गई चर्चा

जाट आरक्षण की मांग को लेकर 12 अक्टूबर को किसान घाट से संसद भवन निकाला जाएगा पैदल मार्च

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मेरठ नीलकंठ हाउस पर राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के कैंप कार्यालय पर राष्ट्रीय जाट महासभा भारत की कोर कमेटी की मीटिंग 12 अक्टूबर 2026 को दिल्ली में जाट आरक्षण की मांग को लेकर किसान घाट से संसद भवन तक होने वाले पैदल मार्च को लेकर आहूत की गई। जिसमें आंदोलन को लेकर होने वाले मार्च के संबंध में रणनीति तय की गई । इस अवसर पर संगठन की कोर कमेटी का भी गठन किया गया । जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सचिन सरोहा ,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी गजेंद्र सिंह नीलकंठ, राष्ट्रीय महासचिव चौधरी अजय पाल सिंह प्रमुख, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रिशिपाल सिंह नैन, राष्ट्रीय महासचिव विजेंद्र सिंह, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कपिल चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव विपिन चौधरी सहित संगठन के प्रबुद्ध लोगों को शामिल किया गया।बैठक के दौरान मेरठ जिला जाट महासभा रोहटा रोड जिसके अध्यक्ष हरिंदर सिंह चौहान ने अपनी पूरी कार्यकारिणी के साथ अपने संगठन का विलय राष्ट्रीय जाट महासभा भारत में विश्वास व्यक्त करते हुए किया। जिसका राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के सभी महत्वपूर्ण पदाधिकारियों ने स्वागत करते हुए हरेंद्र सिंह चौहान को जिला अध्यक्ष मेरठ मनोनीत करते हुए पूरी कार्यकारिणी को राष्ट्रीय जाट महासभा भारत में सआयोजित करने का काम किया एवं सभी महत्वपूर्ण पदाधिकारियों से निवेदन किया गया कि गांव गांव जाकर जाट आरक्षण आंदोलन की अलग जगाने का प्रयास करते हुए दिल्ली में होने वाले आंदोलन को सफल बनाने में अपने प्रयास करें ।। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सेंसेरपाल राठी, सोनीपत जिला अध्यक्ष कमल हुड्डा ,चंद्रपाल राणा , अमित तोमर , सतेंद्र सहरावत, विनय मल्लापुर, अनुकूल सिंह,अमित जाखड़सहित समाज के बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे ।

प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम को देखा और सुना

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कस्बा निवाड़ी में भाजपा किसान मोर्चा के जिला मंत्री संजय त्यागी के निवास स्थान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम को भाजपा कार्यकताओं सहित युवाओं ने सुना। प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम सुनने के लिए पंचायत निवाड़ी देहात मंडल के कार्यकताओं एवं युवाओं ने भाग लिया। जिसमें क्षेत्रीय मंत्री किसान मोर्चा भारत भाटी,मुख्य रूप से संजय त्यागी जिला मंत्री किसान मोर्चा, रजनीश त्यागी, नामित सभासद नगर पंचायत निवाड़ी, सत्येंद्र त्यागी,सचिन, निमिष प्रिंस त्यागी, कालू उपाध्याय, कपिल लाला, अशोक त्यागी, किसान नेता एनसी त्यागी आदि ने प्रधानमंत्री के मन की बात को सुना। भाजपा वरिष्ठ नेता संजय त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने मन की बात में युवाओं की और किस तरह से आगे बढ़ा जाए यह बताया।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शिक्षकों ने किया स्वागत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किए जाने का शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने स्वागत किया है। शिक्षा प्रेमी एवं भाजपा नेता संजय त्यागी ने कहा कि इस योजना स्वागत करते हुए कहा है कि इस योजना के तहत प्रदेश के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के करीब 10 लाख शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों को शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के प्रतीकात्मक कार्ड वितरित किए गए है। उन्होंने कहा कि यह योजना शिक्षकों और कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कारगिल के वीरों को नमन: Rose Bell Public School में गूंजा देशभक्ति का स्वर, छात्रों ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि

कारगिल विजय दिवस पर विद्यार्थियों ने गीत, भाषण और कविताओं से किया अमर जवानों को याद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर Rose Bell Public School में देश के वीर शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कारगिल युद्ध (1999) में भारत माता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों, ओजस्वी भाषणों और कविताओं के माध्यम से सैनिकों के अदम्य साहस, पराक्रम और बलिदान को याद किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी को भावुक कर दिया और पूरे विद्यालय परिसर में देशभक्ति का वातावरण बन गया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें अपने वीर सैनिकों के त्याग, साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों में देशप्रेम और कर्तव्य भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के समापन पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने 'जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुबार्नीङ्क' के भाव के साथ अमर शहीदों को नमन किया और राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया।

ग्राम उजैड़ा की जनसभा में क्षेत्र के नागरिकों, युवाओं एवं वरिष्ठजनों ने बड़ी संख्या में की सहभागिता

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ग्राम उजैड़ा में आयोजित जनसभा में क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों, युवाओं एवं वरिष्ठजनों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर विकास, सुशासन एवं जनसेवा के संकल्प को अपना समर्थन दिया। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्व की भावना के अनुरूप क्षेत्र का सर्वांगीण विकास, जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान तथा प्रत्येक वर्ग के हितों की रक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास एवं सहयोग ही उन्हें निरंतर समाजसेवा के लिए प्रेरित करता है।

जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक राजपाल सिंह ने कहा कि क्षेत्र की जनता का अपार समर्थन यह दशार्ता है कि लोग विकास, सुशासन और जनकल्याण की राजनीति के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने सभी ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

जनसभा के दौरान क्षेत्र के विकास, युवाओं के रोजगार, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएँ एवं सुझाव साझा किए, जिनके समाधान का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के अंत में पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार चौधरी ने ग्राम उजैड़ा के सभी सम्मानित ग्रामवासियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे भविष्य में भी क्षेत्र के विकास एवं जनहित के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर ग्राम प्रधान मोहित जी, पूर्व प्रधान प्रदीप जी, पूर्व प्रधान नरेंद्र जी, कुंवरपाल सिंह जी, संजीव प्रधान जी तथा पूर्व प्रधान उधम सिंह जी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाजवादी लोहिया वाहिनी हापुड़ के जिलाध्यक्ष बने अमित शर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। समाजवादी पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण नियुक्ति करते हुए अमित शर्मा (पुत्र मुकेश कुमार शर्मा, निवासी ग्राम एवं पोस्ट उपेड़ा, जनपद हापुड़) को समाजवादी लोहिया वाहिनी, हापुड़ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। यह मनोनयन राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति एवं प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की संस्तुति पर किया गया।

नियुक्ति पत्र डॉ. रामकरण निर्मल द्वारा जारी किया गया।नियुक्ति की सूचना मिलते ही समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर खुशी का माहौल बन गया। नव-नियुक्त जिलाध्यक्ष अमित शर्मा के कार्यालय पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर और मिठाई बांटकर उनका जोरदार स्वागत किया।पार्टी नेतृत्व ने विश्वास जताया कि अमित शर्मा के जुझारू एवं कर्मठ नेतृत्व में हापुड़ जनपद में युवा एवं आमजन बड़ी संख्या में समाजवादी लोहिया वाहिनी से जुड़ेंगे तथा संगठन को नई मजबूती मिलेगी। नव-नियुक्त जिलाध्यक्ष को निर्देश दिए गए हैं कि वे पार्टी संविधान के अनुसार 15 दिनों के भीतर अपनी जिला कार्यकारिणी का गठन कर प्रदेश नेतृत्व को प्रस्तावित करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सभी मनोनीत पदाधिकारी पार्टी के सक्रिय सदस्य हों।इस अवसर पर अमित शर्मा ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने तथा अधिक से अधिक युवाओं को समाजवादी पार्टी की नीतियों से जोड़ने के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करेंगे।

अधिकतम पौधारोपण व संरक्षण से मरू भूमि में आयेगी हरियाली: बोहरा

हरित गौशाला कार्यक्रम हुआ आयोजित, श्री पाबूजी राठौड़ गौशाला में लगाएं 100 पौधे, पौधारोपण कर संरक्षण का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

बाड़मेर राजस्थान। थार नगरी, बाड़मेर को हरा-भरा बनाने को लेकर रविवार को जन कल्याण संस्थान बाड़मेर की ओर से रविवार को संस्थान अध्यक्ष व पर्यावरण कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन के नेतृत्व में श्री पाबूजी राठौड़ गौशाला दांता में हरित गौशाला अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

जिसमें गौशाला परिसर में अलग-अलग किस्म के 100 पौधे लगाएं। पौधारोपण कर उन्हें ट्री-गार्ड से सुरक्षित किया गया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया।

जन कल्याण संस्थान के सक्रिय सदस्य हरीश बोथरा ने बताया कि जन कल्याण संस्थान की ओर से क्षेत्र की गौशालाओं को हरा-भर बनाने को लेकर हरित गौशाला अभियान चलाया जा रहा है।

जिस कड़ी में रविवार को श्री पाबूजी राठौड़ गौशाला दांता में हरित गौशाला कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में नीम, करंज, पीपल, गुलमोहर, शीशम आदि अलग-अलग किस्म के 100 पौधे लगाएं गए। यह भी उल्लेखनीय है कि संस्थान की ओर से उक्त गौशाला में पिछले दो-तीन वर्षों में अब तक तकरीबन 300 से अधिक पौधे रोपित किये गये है।

संस्थान अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन ने कहा कि गौमाता के आश्रय स्थल गौशाला में प्राकृतिक वातावरण बहुत जरूरी है।

जिसके लिए उन स्थानों पर अधिकतम पौधारोपण करना चाहिए। अमन ने कहा कि अधिकतम पौधारोपण व संरक्षण से ही थार के मरुस्थल में हरियाली आ पायेगी। और यहां के जलवायु में सकारात्मक बदलाव सम्भव हो सकेंगे।

इस दौरान पर्यावरण कार्यकर्ता मुकेश अमन, गौसेवक जसवन्त सिंह, हरीश बोथरा सहित गोपालक उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा होगी प्लास्टिक मुक्त, विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश; प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को दिए सख्त आदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने विकास भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नवंबर तक सभी विभाग अपने बजट का न्यूनतम 75 प्रतिशत व्यय सुनिश्चित करें, जिससे विकास योजनाओं का लाभ जनता तक तेजी से पहुंच सके।

प्रभारी मंत्री ने आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल, व्यवस्थित और प्लास्टिक मुक्त बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, अनुशासन और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सम्मान के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराने और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही कांवड़ मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, चिकित्सा सुविधाएं, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और शिविरों की तैयारियां समय से पूरी करने को कहा। बैठक में संचारी रोग नियंत्रण, स्वच्छता अभियान, किसानों को उर्वरक उपलब्धता, बिजली आपूर्ति, पशुपालन, गौशालाओं की व्यवस्था, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने कहा कि कृषि के साथ पशुपालन किसानों की आर्थिक मजबूती का बड़ा आधार है, इसलिए पशुपालन एवं अन्य योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाए।

बैठक के बाद प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने विकास भवन परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और लोगों से 'वृक्ष लगाओ, वृक्ष बचाओ' अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

छात्रों से कथित मारपीट का मामला गरमाया, सत्यम पंडित पर कार्रवाई की उठी मांग

कपिल चौहान

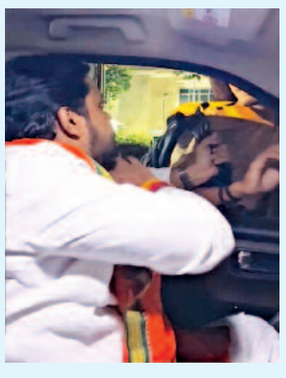

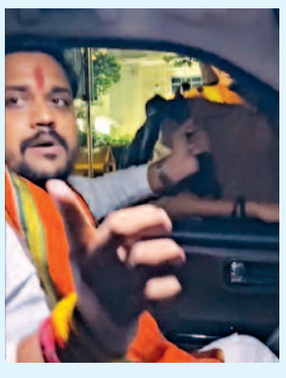

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद निवासी सत्यम पंडित पर प्रदर्शन में शामिल छात्रों के साथ कथित रूप से गाली-गलौज और मारपीट करने के आरोप लगे हैं। घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि इनमें से कुछ वीडियो स्वयं सत्यम पंडित द्वारा साझा किए गए हैं। मामले को लेकर सोशल मीडिया पर व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कई राजनीतिक नेताओं और विभिन्न संगठनों ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, अनेक सोशल मीडिया यूजर्स पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सत्यम पंडित स्वयं को हिंदू धर्म का रक्षक बताता है। घटना के बाद उसके कुछ पुराने विवादित बयानों की भी चर्चा सोशल मीडिया पर हो रही है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल मामले की जांच जारी है। पुलिस की ओर से आधिकारिक कार्रवाई और जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

खुले गड्ढे ने छीनी मासूम की जिंदगी, ठेकेदार गिरफ्तार; प्राधिकरण ने शुरू की ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र स्थित कलाधाम सोसाइटी में खुले गड्ढे में गिरने से छह वर्षीय मासूम अवयान की दर्दनाक मौत के मामले में बड़ा प्रशासनिक एक्शन लिया गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की शिकायत पर ठेकेदार, टेक्नीशियन और सुपरवाइजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि प्राधिकरण ने उसे ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। हादसा उस समय हुआ जब मासूम अवयान खेलते-खेलते करीब 10 से 15 फीट गहरे खुले गड्ढे में गिर गया। सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बच्चे को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

जांच में सामने आया कि निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम और सेफ्टी बैरिकेडिंग नहीं थी। इस लापरवाही को हादसे की बड़ी वजह माना जा रहा है। घटना के बाद सोसाइटी के लोगों में भारी आक्रोश है और जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों की जवाबदेही को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गहरा गड्ढा लंबे समय से खुला पड़ा था और उसकी सुरक्षा के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई थी। वहीं, जेई, एई, मैनेजर और सीनियर मैनेजर पर अब तक कार्रवाई नहीं होने को लेकर भी बहस तेज हो गई है। पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रहे हैं तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रेमिका की गला रेतकर हत्या, ज्वार के खेत में छिपाया शव; वेव सिटी पुलिस ने 72 घंटे में सुलझाई ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वेव सिटी थाना पुलिस ने ज्वार के खेत में मिली अज्ञात युवती की हत्या के सनसनीखेज मामले का 72 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त आरी का ब्लेड भी बरामद किया है।

23 जुलाई को काजीपुरा स्थित ज्वार के खेत में 20 से 22 वर्षीय युवती का शव बरामद हुआ था। युवती का गला किसी धारदार हथियार से काटा गया था और शव खेत में छिपा दिया गया था। खेत स्वामी मनोज कुमार की तहरीर पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले के खुलासे के लिए वेव सिटी पुलिस, स्वॉट और सर्विलांस टीम ने करीब 400 से 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही घटनास्थल के आसपास के बीटीएस (मोबाइल लोकेशन) डेटा का विश्लेषण कर संदिग्धों की गतिविधियों की पड़ताल की गई।

तकनीकी साक्ष्यों और मैनुअल इनपुट के आधार पर पुलिस ने 26 जुलाई को दीपक कुमार (24) निवासी सिद्धार्थनगर को काजीपुरा स्थित शराब के ठेके के पास बनी झुग्गी से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त आरी का ब्लेड भी बरामद किया है। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षा जगत का बढ़ा मान, तीन दशक की सेवाओं पर सौरभ गर्ग को मानद डॉक्टरेट

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में लगभग तीन दशकों से उल्लेखनीय योगदान देने वाले e-Home Tutors के संस्थापक सौरभ गर्ग को मानद डॉक्टरेट की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में शिक्षाविद ऋचा सूद ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर शिक्षा, सामाजिक सेवा और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वर्ष 1994 में e-Home Tutors की स्थापना करने वाले सौरभ गर्ग ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को घर-घर तक पहुंचाने के साथ-साथ हजारों युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके नवाचार और समर्पण ने उन्हें देशभर में अलग पहचान दिलाई है।

सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. सौरभ गर्ग ने कहा कि यह उपलब्धि उनके साथ जुड़े सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और सहयोगियों के विश्वास और सहयोग का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी शिक्षा और युवा सशक्तिकरण के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहने का संकल्प व्यक्त किया। शिक्षा के क्षेत्र में दीर्घकालिक योगदान, सामाजिक प्रतिबद्धता और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में निभाई गई उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए मिला यह राष्ट्रीय सम्मान उनकी उपलब्धियों में एक नया और गौरवपूर्ण अध्याय माना जा रहा है।

खाटू श्याम दर्शन पर गया परिवार, पीछे से साफ हो गई 30 लाख की ज्वैलरी

12 घंटे में पुलिस ने किया चौंकाने वाला खुलासा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में 25 से 30 लाख रुपये मूल्य की ज्वैलरी चोरी की घटना का पुलिस ने महज 12 घंटे में सफल खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई पूरी ज्वैलरी बरामद कर ली है।

पुलिस के मुताबिक, सुदामापुरी निवासी रीतू गोयल ने 25 जुलाई 2026 को थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक में शिकायत दर्ज कराई थी कि 18 जुलाई को वह अपने पति और छोटे बेटे के साथ खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए गई थीं। इसी दौरान अज्ञात चोर उनके घर में घुसकर लाखों रुपये के सोने और हीरे के आभूषण चोरी कर ले गया। मामले में बीएनएस की धारा 305(ए) के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज और मैनुअल इनपुट्स के आधार पर पुलिस ने केवल 12 घंटे के भीतर घटना का पदार्फाश कर दिया। 26 जुलाई 2026 को मुखबिर की सूचना पर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने सुदामापुरी बिजलीघर के पास से अनन्त मिश्रा (25 वर्ष) निवासी ग्राम जाजलपुर, थाना अलीगंज, जिला एटा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से चोरी का पूरा सामान बरामद हुआ, जिसमें तीन सोने के हार, दो डायमंड सेट, पांच जोड़ी सोने की झुमकी, दो सोने की लटकन तथा चार सोने के कंगन शामिल हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस का बड़ा मंथन: सिहानी गेट थाने में शांति समिति की बैठक, सुरक्षा व्यवस्था पर दिए अहम निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 के मद्देनजर शनिवार को सहायक पुलिस आयुक्त नन्दग्राम की अध्यक्षता में थाना सिहानी गेट परिसर में शांति समिति की गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के पार्षद, कांवड़ शिविर संचालक, डीवीएफ कर्मी एवं शांति समिति के सदस्य शामिल हुए।

गोष्ठी में कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, आपसी समन्वय तथा प्रशासनिक दिशा-निर्देशों के पालन पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों ने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या समस्या की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि यात्रा निर्विघ्न और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

'मन की बात' से गूंजा गाजियाबाद: कारगिल के वीरों को नमन, स्वदेशी और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 136वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित करते हुए कारगिल विजय दिवस पर शहीद सैनिकों के शौर्य और बलिदान को नमन किया। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आ'ान करते हुए प्रत्येक नागरिक से विशेष अवसरों पर पौधारोपण करने और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण के लिए देशभर में हो रहे प्रयासों, भारतीय पैरा एथलीट्स की उपलब्धियों, खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी तथा कश्मीर, त्रिपुरा और मणिपुर के पारंपरिक उत्पादों एवं स्थानीय कारीगरों के योगदान का उल्लेख करते हुए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का संदेश दिया। गाजियाबाद महानगर में 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के दुग्ध एवं पशुधन विकास मंत्री एवं गाजियाबाद के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ने, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने का आ'ान किया।

इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, महानगर महामंत्री गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, प्रदीप चौहान, रिचा भदौरिया, वरुण नागर, संजय कश्यप, महानगर मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर हुआ दिव्य एवं भव्य व्यास पूजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा एवं प्राइवेट चिकित्सक वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में संस्थाओं के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा 'हनुमान' के सान्निध्य में दिव्य एवं भव्य व्यास पूजन एवं गुरु वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजन-अर्चना के साथ हुआ। इस दौरान विश्व शांति, राष्ट्र की उन्नति तथा समस्त मानव समाज के कल्याण के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा 'हनुमान' ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। गुरु अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश प्रदान करता है और मनुष्य को सत्य, धर्म, संस्कार एवं कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गुरु पूर्णिमा गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण और कृतज्ञता व्यक्त करने का पवित्र अवसर है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सच्चे और आदर्श गुरु की पहचान करना बेहद जरूरी है। किसी को गुरु स्वीकार करने से पहले उसके आचरण, चरित्र, ज्ञान, सेवा भाव, जीवन मूल्यों और समाज के प्रति योगदान की जांच-परख करनी चाहिए। केवल बाहरी वेशभूषा या आडंबर के आधार पर किसी को गुरु मानना उचित नहीं है।

बीके शर्मा 'हनुमान' ने कहा कि सच्चा गुरु वही है, जो अपने शिष्यों में मानवता, राष्ट्रभक्ति, सनातन संस्कृति, सेवा, सदाचार और नैतिक मूल्यों का विकास करे। ऐसा गुरु व्यक्ति के साथ-साथ परिवार, समाज और राष्ट्र को भी संस्कारित एवं सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि गुरु वह नहीं, जो जीवनभर शिष्य के लिए मशाल थामे रहे, बल्कि सच्चा गुरु वह है जो शिष्य को स्वयं प्रकाश की ओर बढ़ने का मार्ग दिखाए। गुरु शिष्य का हाथ थामता है, उसके मन को खोलता है और उसके हृदय को स्पर्श कर जीवन को सही दिशा प्रदान करता है।

कार्यक्रम में व्यास पूजन के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरु परंपरा के संरक्षण एवं भारतीय संस्कृति के संवर्धन का संकल्प लिया। साथ ही विश्व में शांति, सद्भाव, समृद्धि एवं मानव कल्याण के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

उपस्थित लोगों ने आयोजन को आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक जागरण और सामाजिक एकता का प्रेरणादायी कार्यक्रम बताया।